केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 292 गुरूवार 16 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दयाशंकर मिश्र बसपा छोड़ सपा में शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष दयाशंकर मिश्रा समाजवादी पार्टी में शामिल हो गये। वे पार्टी में तरजीह न मिलने की वजह से भाजपा छोड़ बसपा में शामिल हुए थे और भाजपा के खिलाफ लोकसभा चुनावों में बसपा प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में थे।

ज्ञात रहे कि बसपा ने उन्हें टिकट देकर लोकसभा चुनाव मैदान में उतारा था लेकिन, ऐन वक्त यानी कि नामांकन के आखिरी दिन बसपा ने उनका टिकट काट लवकुश पटेल को दे दिया। इसी के बाद जिले में सियासी पारा चढ़ गया और लोग भाजपा की जीत सुनिश्चित मान रहे थे, ऐसा इसलिए क्योंकि दयाशंकर मिश्रा की लड़ाई को लेकर सीधे तौर पर भाजपा से देखा जा रहा था।

राजनीतिक जानकारों की मानें तो दयाशंकर मिश्रा जितनी तेज लड़ते उतना नुकसान भाजपा को होता और जिले में समाजवादी पार्टी मजबूत होती, लेकिन अब दयाशंकर मिश्रा के घर वापसी का सवाल ही नहीं है। अब वे सपा में शामिल हो गये। दयाशंकर मिश्र का टिकट कटने के बाद जहां उनके समर्थकों में निराशा थी, तो वहीं विरोधी खेमें में जश्न का माहौल था। बसपा से टिकट कटना दयाशंकर मिश्र के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं था। हालांकि, बसपा से टिकट कटना कुछ लोग भाजपा की ही रणनीति का हिस्सा मान रहे थे।पूर्व भाजपा नेता दयाशंकर मिश्रा ने कहा कि समाजवादी पार्टी के साथ पूरी ताकत से खड़े रहेंगे।

ढैंचा का बीज न मिलने से किसानों की मुश्किलें बढ़ी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बनकटी (बस्ती)। खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए गेंहू की कटाई के बाद किसान अपने खेतों में हरी खाद बनाने के लिए ढैंचा बीज की बुवाई करते हैं।जानकारी के अनुसार अभी तक ढैंचा का बीज सरकारी गोदामों में उपलब्ध नहीं है जिससे बनकटी, दंईसांड, महादेवा गेल्हापार,बरहुवा,खोरिया सहित विकास खण्ड बनकटी क्षेत्र के सभी किसान परेशान हैं अच्छे किसान हमेशा रासायनिक उर्वरकों से बचने के लिये ढैंचा बीज की बुवाई करते हैं जिससे खेतों में हरी खाद बन सके।किसान राजेंद्र,हरीश,दिनेश,राम अशीष,सईद सहित कई किसानों ने इस बीज के अभाव में खरीफ की फसल प्रभावित होने की मंशा जाहिर की।इस संबंध में पूछे जाने पर जिला कृषि अधिकारी रतन शंकर ओझा ने बताया कि ढैंचा का बीज गुरुवार सुबह से किसानों को मिलना शुरू हो जाएगा घबराने की कोई बात नहीं है।

स्कूटी सवार 2 घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के महुली बस्ती मार्ग पर बुधवार दिन में करीब तीन बजे डाकघर बनकटी के सामने तेज रफ्तार कार के सामने स्कूटी मोड़ने से स्कूटी सवार दो लोग घायल हो गए।जानकारी के अनुसार गायघाट बाजार निवासी विक्रम पुत्र सुखराम गुप्ता थाना कलवारी अपने ही गाँव के चंदू के रिश्तेदार प्रदीप कुमार गाँव कैथौरा थाना लालगंज के यहाँ वैवाहिक समारोह में मेंहदी लगाने के लिए आए थे किसी काम से बनकटी बाजार में आए थे कि डाकघर के सामने एकाएक महुली की तरफ जा रहे कार में टक्कर हो गई जिससे दोनों लोग कार की चपेट में आने से विक्रम को गम्भीर चोटें आई आसपास के लोगों के प्रयास से परिजनों को सूचित कर एम्बुलेंस की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनकटी में इलाज के लिए भेजा गया

वाराणसी में मोदी के खिलाफ अब सात उम्मीदवार, श्याम रंगीला समेत 32 पर्चे खारिज

वाराणसी (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सीट वाराणसी पर नामांकन पत्रों की जांच में 41 में से

32 प्रत्याशियों के पर्चे खारिज हो गए हैं। बुधवार की शाम साढ़े सात बजे तक पीएम मोदी के खिलाफ कांग्रेस–बसपा समेत सात प्रत्याशी मैदान में बचे थे।

केवल एक प्रत्याशी शिवकुमार का पर्चा जांच के लिए बचा था। चार दिनों तक नामांकन नहीं दाखिल करने का आरोप लगाकर हंगामा करने वाले स्टैंड अप कामेडियन श्याम रंगीला का पर्चा भी खारिज हो गया है। उनक पर्चे में कई कमियां पाई गई हैं। 17 मई तक अभी यहां नाम वापस लेने का समय है। अगर किसी ने नाम वापस नहीं लिया तो मैदान में कुल आठ प्रत्याशी ही रह जाएंगे। इसमें भाजपा से प्रधानमंत्री मोदी, कांग्रेस से अजय राय, बसपा से अतहर जमाल लारी, अपना दल कमेरावादी से गगन प्रकाश, राष्ट्रीय समाजवादी जनक्रांति से पारस नाथ केशरी और तीन निर्दल हैं। निर्दल प्रत्याशियों में जिनका नामांकन सही पाया गया है उनमें योगेंद्र कुमार शर्मा, दिनेश कुमार यादव और संजय कुमार तिवारी का नाम शामिल है।

भाजपा में शामिल हो सकती हैं धनंजय सिंह की पत्नी

जौनपुर (आभा)। पूर्व सांसद और बाहुबली धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला बुधवार को गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। अमित शाह से मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए श्रीकला ने शिष्टाचार भेंट बताया। उनकी अमित शाह से मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब धनंजय सिंह ने जौनपुर में भाजपा को समर्थन देने का ऐलान किया है। जौनपुर में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा भी है। कहा जा रहा है कि श्रीकला भी मोदी के मंच पर उपस्थित रहेंगी। वह इससे पहले उसी मंच से भाजपा भी ज्वाइन कर सकती हैं।

सड़क दुर्घटना में तीन साधुओं की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । जिले के परशुरापुर थाना क्षेत्र में बुधवार को तीन साधुओं को एक अनियंत्रित पिकप वाहन ने टक्कर मार दिया जिससे उनकी मौत हो गयी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मखौड़ा धाम से 84 कोसी परिक्रमा पूर्ण करके तीन साधु राम मिलन पाल निवासी ग्राम भागीपुर थाना इनायतनगर अयोध्या,अच्छेलाल,रामभजन निवासी ग्राम डिगुरी थाना पनियरा जनपद महराजगंज दर्शन करने के लिए अयोध्या जा रहे थे। अभी परशुरापुर थाना क्षेत्र के सिकन्दरपुर गांव के समीप ही पहुंचे थे तभी कि अनियंत्रित पिकप ने टक्कर मार दिया जिससे तीनो लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये और उनकी मौत हो गयी है।

मोदी और योगी ने निषादों को गले लगाया- संजय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बुधवार को निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद का भाजपा और निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। एक चुनावी सभा में संजय निषाद ने पीएम मोदी और सीएम योगी जमकर की तारीफ की। तो दूसरी तरफ कांग्रेस, सपा पर हमला करते हुए कहा कि जब सत्ता से बाहर होते हैं तो किसान, गरीब, पिछड़ा याद आते हैं। सपा बसपा को सत्ता से हटाने का काम निषाद समाज ने किया है। उन्होंने कहा कि मैं याद दिलाने आया हूं सपा, कांग्रेस, बसपा के कार्यकाल में निषादों पर अत्याचार होता रहा है। निषादों ने वोट देकर सपा, कांग्रेस और बसपा को हीरो बनाया तो इन पार्टियों ने हमारे समाज को जीरो बनाया। कैबिनेट मन्त्री ने कहा कि हमारे समाज के मछुआरों ने कसम खाई है कि हाथी, साइकिल व पंजा को जीरो बनाना है। 2014 से आप देख रहे होंगे कांग्रेस की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

सांसद हरीश द्विवेदी ने कहीं इस बार विपक्षियों का पीडीए का नारा फेल हो गया है, क्योंकि सपा बसपा कांग्रेस जब जब सरकार में आई है तो पिछडो दलितों गरीबो का शोषण की है। इस बार जनता उनके बहकावे में नहीं आ रही है, मोदी पर सबका विश्वास है।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहाँ भारतीय जनता पार्टी का एक एक कार्यकर्ता ने इस चुनाव में जान झोक दिया है, इस बार का चुनाव भारत को विश्व गुरु बनाने में बड़ा योगदान रहेगा।

इस मौके पर हरैया विधायक अजय सिंह, वरिष्ठ नेता डॉ अमित निषाद, पूर्व विधायक रवि सोनकर, सेतभान राय, अनिल दुबे, रघुनाथ सिंह, अमृत कुमार वर्मा, ब्रह्मदेव यादव, पिन्टू तिवारी, चन्द्र मणि पाण्डेय सुदामा, नरेन्द्र त्रिपाठी, अरविंद पाल, भोला निषाद, असमान सिंह, निषाद पार्टी जिलाध्यक्ष अशोक निषाद, केके सिंह, योगेंद्र सिंह, श्रीश पाण्डेय, कुंवर आनंद सिंह, देवेन्द्र सिंह, अखंड सिंह, राजेश पाल चौधरी, डॉ शिव कुमार निषाद, रामवृक्ष निषाद, साहब दीन निषाद, पुरुषोत्तम निषाद, दीपू निषाद, राम अचल निषाद, रमेश निषाद सहित पार्टी के पदाधिकारी जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सपा के जिला उपाध्यक्ष शिबलू पाण्डेय समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पिछले दो दशक से सपा से जुड़े अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय 'शिबलू' भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की उपस्थिति में शिवपुर टिनिच में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय 'शिबलू' ने बताया कि सपा अपने लक्ष्य से भटक गई इस कारण से वे भाजपा में शामिल हुये हैं। उनके साथ मुख्य रूप से हर्षित त्रिपाठी, पंकज रावत, शमशाद कुरेशी, अरशद, प्रदीप तिवारी, विश्वम्भर तिवारी, सोनू मिश्र, हृदयनन्द, अनिल राव, राहुल सोनी आदि ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया।

मतदाता सूची में 91 महिला, पुरूष मतदाता हो गये ट्रांसजेंडर

इंदिरा चैरिटेबल सोसाइटी ने किया मतदाता सूची में सुधार की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । मतदान से पूर्व लोकसभा 61 बस्ती में 91 ट्रांसजेंडर मतदाताओं के फर्जी पाये जाने का मामला सामने आया है। यह खुलासा एनजीओ इंदिरा चैरिटेबल सोसाइटी द्वारा ट्रांसजेंडर मतदाताओं के विधानसभावार भौतिक सत्यापन में हुआ।

इंदिरा चैरिटेबल सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी देते हुये बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश और जिला निर्वाचन अधिकारी पत्र भेजकर विस्तार से पूरी जानकारी उच्चअधिकारियों को दिया गया है।

आगामी 25 मई को होने वाले मतदान में जनपद में कुल 1890356 मतदाताओं द्वारा चुनाव प्रक्रिया संपन्न होनी है जिसमें पुरुष मतदाता 1005201 है 885057 महिला मतदाताओं की है शेष 98 थर्ड जेंडर मतदाता भी शामिल है। ट्रांसजेंडर मतदाताओं को लेकर सच तब सामने आया जब ट्रांसजेंडर के हितों के लिए कार्य कर रही जिले में सक्रिय एनजीओ इंदिरा चैरिटेबल सोसाइटी ने ट्रांसजेंडर मतदाताओं का विधानसभा वार भौतिक सत्यापन करवाया और पाया कि 98 थर्ड जेंडर मतदाताओं के सापेक्ष केवल 7 वैध थर्ड जेंडर मतदाता ही जिले में है जिनका एपिक कार्ड बना हुआ है शेष 91 घोषित ट्रांसजेंडर मतदाता या तो पुरुष है या तो महिला है वे ट्रांसजेंडर है ही नहीं।

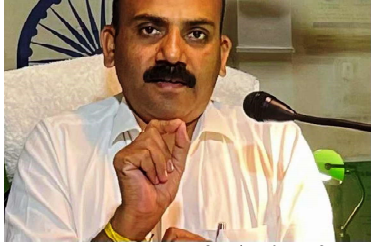

विधानसभा बस्ती सदर 310 की महिला मतदाता रीना गौड़ ने जिनका मतदेय स्थल प्राइमरी स्कूल बैरियहवा है, ने एआरओ को संबोधित एनजीओ को भेजे पत्र में मांग किया है कि वह एक महिला मतदाता है ना की थर्ड जेंडर और उनके दो बच्चे भी हैं इसका सुधार किया जाए लेकिन सुधार नहीं हो सका। ऐसे ही बस्ती सदर विधानसभा की प्रगति श्रीवास्तव, जुबेर अहमद, नवीन कुमार, ज्योति त्रिपाठी, इलायची जैसी कुल 27 मतदाता थर्ड जेंडर के रूप में है लेकिन हकीकत में केवल चार मतदाता ऐसे हैं जो वैध थर्ड जेंडर मतदाता है शेष 23 मतदाता जो थर्ड जेंडर नहीं है वह पुरुष है या तो महिला है। यही हाल विधानसभा कप्तानगंज का है जिसमें ट्रांसजेंडर मतदाताओं के रूप में कुल 22 मतदाता है लेकिन केवल एक मतदाता सुमन यादव है जो की ट्रांसजेंडर मतदाता है शेष 21 मतदाता फर्जी है हरैया विधानसभा में कुल 11 मतदाता थर्ड जेंडर के रूप में दर्ज है लेकिन केवल एक ही वैध मतदाता पूजा रमेश ट्रांसजेंडर है शेष 10 मतदाता फर्जी विधानसभा रुधौली में कुल 32 ट्रांसजेंडर मतदाता आंकड़ों में दर्ज है उसमें केवल एक मतदाता सीमा किन्नर ही वैध थर्ड जेंडर मतदाता है शेष 31 मतदाता फर्जी है इन फर्जी मतदाताओं में कुछ शादीशुदा और बाल बच्चे वाले भी हैं। एनजीओ ने व्यक्तिगत स्तर पर प्रत्येक विधानसभा के लगभग 50 बीएलओ को गलतियों के सुधार के लिए अनुरोध किया था लेकिन बीएलओ ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ दिया जबकि इस गलती का सुधार करने की जिम्मेदारी फॉर्म सात के अपडेशन के साथ प्रथम दृष्टि बीएलओ की बनती है हालांकि उच्च अधिकारियों के पर्यवेक्षण और पदीय दायित्व के निर्वहन की भी कमी स्पष्ट दिख रही है।

इंदिरा चैरिटेबल सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि इंदिरा चैरिटेबल सोसाइटी बरसों से जिले में लगातार किन्नरो के हित के लिए कार्य कर रही है जिसकी वजह से बस्ती जनपद में किन्नर समाज को मुख्य धारा से जोड़ा जा सका है नहीं तो जनपद में थर्ड जेंडर मतदाताओं को शायद ही कोई जानता था। आंकड़ों में हुई गलती की वजह से आगामी चुनाव में चुनाव अधिकारियों के समक्ष यह समस्या भी आ सकती है यदि कोई पुरुष या महिला मतदाता मतदान करने जाता है और चुनाव अधिकारी द्वारा यह बताया जाता है कि आप एक ट्रांसजेंडर मतदाता है तो ऐसी स्थिति में बूथ पर विवाद होने के संभावना बढ़ सकती है जिससे पूरी मतदान प्रक्रिया बाधित भी हो सकती है और वोट का प्रतिशत भी कम हो सकता है।उन्होंने ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश और जिला निर्वाचन अधिकारी को भेजे पत्र में विस्तार से पूरी घटनाक्रम की जानकारी उच्च अधिकारियों को दिया है।

जेल से बाहर आएंगे न्यूजक्लिक के संपादक

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली की एक निचली अदालत ने न्यूजक्लिक के संस्थापक संपादक प्रबीर पुरकायस्थ को जमानत दे दी है। जानिए किस आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने पुरकायस्थ की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने पुरकायस्थ की याचिका पर सुनवाई करते हुए

कहा था कि पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने से पहले रिमांड एप्लीकेशन की प्रति पुरकायस्थ को या उनके वकील को देनी चाहिए थी और उन्हें यह बताना चाहिए था कि उन्हें गिरफ्तार क्यों किया जा रहा है। चूंकि पुलिस ने ऐसा नहीं किया, अदालत ने उनकी गिरफ्तारी को अमान्य ठहराया. अदालत ने यह भी कहा कि चार्जशीट दायर नहीं हुई तो अदालत पुरकायस्थ को तुरंत रिहा करने का आदेश दे देती, लेकिन क्योंकि चार्जशीट दायर हो चुकी है,

शिक्षकों का वेतन रोकने के विरोध में बीएसए कार्यालय पर धरना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। 10 से कम नामांकन वाले विद्यालयों के शिक्षक समेत समस्त लगभग 4 हजार कर्मचारियों का वेतन रोक दिये जाने के विरोध में बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों, शिक्षकों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समक्ष धरना देकर वेतन निर्गत किये जाने की मांग किया।

–बीएसए ने जारी किया नया आदेश

संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि धरने के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी ने वेतन बाधित करने सम्बन्धी पूर्व के आदेश को निरस्त करते हुये नया आदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि शिक्षक 18 मई तक अधिकतम नामांकन पूरा कर लें।

इसके पूर्व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से संघ के जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल के नेतृत्व में संगठन पदाधिकारियों के साथ वेतन बहाली को लेकर तीन दौर की वार्ता हुई। वार्ता असफल होने के उपरांत संगठन पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरने पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। आनन–फानन में बीएसए को सभी विद्यालयों / शिक्षकों के वेतन बहाली का आदेश बैक डेट यानी 14. 05.2024 के तिथि में जारी करना पड़ा।'

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि यदि समस्या का निस्तारण न हुआ तो आन्दोलन किया जायेगा। धरना और ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार, जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला संयुक्त मंत्री विजय प्रकाश चौधरी, शैल शुक्ल, राजकुमार सिंह, शशिकांत धर दूबे, राम भरत वर्मा, रीता शुक्ला, राजेश चौधरी, अश्वनी पाण्डेय, ज्ञान प्रताप उपाध्याय, रजनीश मिश्र, आशुतोष पाण्डेय, मंजेश राजभर, कल्पनाथ व सत्येन्द्र सिंह के साथ ही अनेक शिक्षक शामिल रहे।

राजन इण्टर नेशनल एकेडमी के मेधावी पुरस्कृत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बुधवार को राजन इण्टर नेशनल एकेडमी में पिछले सत्र के मेधावी छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत कर निदेशिका शिखा चतुर्वेदी, कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय, प्रधानाचार्य शानू एन्टोनी ने हौसला बढ़ाया।

पुरस्कार वितरण के बाद निदेशिका शिखा चतुर्वेदी ने कहा कि छात्रों को बेहतर शिक्षा देने के साथ ही उनके सृजनात्मक पक्ष पर जोर दिया जाता है। उन्हें शिक्षा के साथ ही खेल कूद, संगीत, कला के विविध आयामों से परिचित कराया जाता है जिससे वे देश के श्रेष्ठ नागरिक बनें। प्रधानाचार्य शानू एन्टोनी ने बताया कि सर्वाधिक अंक लाने वाले, सर्वाधिक उपस्थिति व अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में भागीदारी करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया गया है।

कार्यक्रम का संचालन बी.एड. प्राचार्य जीत यदुवंश ने किया।

कार्यक्रम के दौरान रेखा श्रीवास्तव, प्रमिला शुक्ला, प्रभा त्रिपाठी, निशु उपाध्याय, पुनीता पाण्डेय, शिक्षा बरनवाल, शालिनी श्रीवास्तव, रूपा, माया शुक्ला, ज्योती, अरुण, शहनाज, साक्षी मिश्रा, साक्षी कसौधन, प्रतीक्षा पटेल, शुभम पटेल, रिया दूबे, अर्चना पटेल, श्वेता त्रिपाठी,नीलम श्रीवास्तव, शारिक खान, गोपाल, किरन सिबस्टन, अर्चना द्विवेदी, सुमन दूबे, आकृति पाण्डेय, पूनम, शालिनी, आक्षी, संगीता, जेरीन, मनीषा गुप्ता, अभिरामी, सुष्मिता मन्ना, अभिषेक पटेल, नलिन, पूजा तमांग, वैभव पाण्डेय, अमित मिश्रा, सौरभ पाण्डेय, जीत यदुवंश, मनीष मिश्रा, प्रमोद तिवारी 'पिंटू', तरुण पांडेय, अखिलेश कुमार, आकांक्षा श्रीवास्तव, रामस्वरूप यादव, मोहम्मद अजीम, शिवांश उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गये महात्मा टिकैत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । बुधवार को भारतीय किसान यूनियन द्वारा महात्मा चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत को उनके तेरहवी पुण्य तिथि पर याद किया गया। जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी के संयोजन में शिविर कार्यालय शिवा कालोनी में आयोजित कार्यक्रम जल, जंगल, जमीन पर्यावरण बचाओ संकल्प दिवस पर केन्द्रित रहा। उनकी स्मृति में जिला चिकित्सालय के मरीजों में फल का वितरण किया गया।

भाकियू के पूर्वान्चल अध्यक्ष अनूप चौधरी ने कहा कि किसानों के मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत को 'महात्मा बाबा की उपाधि उनके संघर्षों के कारण मिली। देशभर में किसान, मजदूर और मजलूमों के हक के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया था, उन्हें हमेशा महानायक की भूमिका में याद किया जायेगा। प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष किसान, मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र चौधरी, पूर्वान्चल सचिव शोभाराम ठाकुर, जयराम वर्मा, बन्धू चौधरी, राम मनोहर, रामचन्द्र सिंह आदि ने महात्मा जी के चित्र पर माल्यार्पण के बाद कहा कि बाबा को जाति धर्म से कोई मतलब नहीं था। वह किसानों के मसीहा थे। किसानों की जाति धर्म को उन्होंने कभी नहीं देखा। उनकी एक आवाज पर हजारों किसान एकत्र हो जाते थे। उनका योगदान युगों तक याद किया जायेगा। प्रदेश सचिव दीवान चन्द पटेल ने कहा कि चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत वास्तव में किसानों के बहुत बड़े नेता थे। उनके जीवन का उद्देश्य किसानों को इतना जागरूक करना था कि किसान की आवाज से ही हुक्मरानों तक पहुंच सके। किसानों को वाजिब हक दिलाने के लिए तमाम बड़े राजनेताओं से समय–समय पर टकराव मोल लिया। मुण्डेरवा चीनी मिल आन्दोलन के दौरान महात्मा चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत ने कमान संभाली थी और केन्द्र और राज्य सरकारों को मजबूर होना पड़ा था। किसानों का हित उनके लिये सर्वस्व थे। उनके जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर किसानों को अपने अधिकारों के लिये एकजुटता बनाये रखनी होगी।

महात्मा चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत के पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुग्रीव प्रसाद, मरेश चन्द्र, जगदीश, रामकृपाल चौहान, राकेश, लालजी, तिलकराम, गंगाराम, राजेन्द्र प्रसाद, रामभजन, चन्द्र प्रकाश चौधरी, रामदास, विनोद कुमार, रविन्द्र कुमार, जगदम्बा प्रसाद, अनन्त राम, राम उग्रह, मेवालाल, परशुराम, रामशब्द, सचिन, राम बहाल, दयाशंकर मौर्य, राम सुरेमन, पण्डा यादव, रामफेर, पारसनाथ के साथ ही भाकियू के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता, किसान, महिलायें शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 मई 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

चुनाव और शेयर बाजार

चौथे दौर के मतदान के प्रारम्भिक आंकड़े पिछले चुनाव से नीचे के ही हैं लेकिन इस बार का अंतर पहले दो दौर जैसा नहीं रहा। अब चुनाव आयोग अंतिम आंकड़े के नाम पर कौन—सा मतदान प्रतिशत दिखाता है, इस पर सबका ध्यान है लेकिन शेयर बाजार में वैसी बेचैनी नहीं है, जैसी पहले दो दौर के मतदान के बाद दिखी थी। यह बेचैनी चौथे दौर तक खत्म नहीं हुई लेकिन अब बाजार में लाखों करोड़ की पूंजी टूटने की खबर नहीं आ रही। मई के 5 ट्रेडिंग दिनों में ही निवेशकों के 15 लाख करोड़ रुपए डूब जाने का हिसाब लगाया जा रहा था।

इस हफ्ते की शुरुआत में गिरावट का सिलसिला थम गया था लेकिन बाजार का भरोसा लौट नहीं रहा था। सोमवार को बाजार का भय या अस्थिरता मापने वाला सूचकांक वी.आई.एक्स. हजार अंक ऊपर था, जिसे 19 महीनों का उच्चतम माना गया। अगले दिन जरूर बाजार बढ़ कर अंत हुआ। अब बाजार का भय दूर करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की जगह गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री जयशंकर की कोशिशों के बाद भी बाजार का भरोसा नहीं जम रहा। अमित शाह ने तो भाजपा के 400 पार के नारे को दोहराया भी। अर्थात उन्हें भी लग रहा है कि गिरावट की वजह चुनाव के संकेत और उसमें भी मतदान में कमी में छुपा है। सरकार इस गिरावट को थामने और बाजार को सहारा देने की भरपूर कोशिश कर रही है।

यह साफ हिसाब है कि मई महीने में अब तक अगर विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार से 22,800 करोड़ रुपए की पूंजी निकाली और बाहर से निवेश आने का क्रम थम सा गया है, तो हमारी अपनी सरकारी वित्तीय संस्थाओं ने बाजार में 23000 करोड़ रुपए की खरीद इसी अवधि में की है। अर्थात सामान्य ढंग से नफा—नुकसान संभाल लिया गया है। एच.एस.बी.सी. इंडिया के भारतीय प्रमुख हितेन्द्र दवे की सफाई थी कि यह गिरावट विदेशी निवेश के बाहर के बाजारों में जाने से आई है। यह बात एक हद तक सही भी है क्योंकि चीन और हांगकांग के वित्तीय बाजार में इधर काफी तेजी देखने में आ रही है लेकिन यह व्याख्या आंशिक सच ही है। हमारी अर्थव्यवस्था के आंकड़े हाल के वर्षों में अविश्वसनीय बने हैं, उनके जुटाने का काम बहुत ढीला—ढाला रहा है और कई बार तो जुटाए गए आंकड़े जारी नहीं किए गए।

अगर टैस्ला वाले एलन मस्क ने बड़ा निवेश करने की मंशा से भारत यात्रा का कार्यक्रम टाला है (हालांकि इसे भी अनेक लोग चुनावी अनिश्चितता और मोदी जी द्वारा ऐसे निवेश के फैसले का चुनावी लाभ लेने का डर मान रहे हैं), तो महंगाई के मामले में सूचकांक अच्छी खबर दे रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल और कोकोआ जैसी चीजों की कीमत कम होने का लाभ हमें मिलेगा। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का मुनाफा कई गुना बढ़ा है। अर्थव्यवस्था के बाकी क्षेत्रों से भी मिली—जुली खबरें आ रही हैं और विकास दर को लेकर तो सरकार के दावे बहुत ऊंचे हैं।

इन सबके बावजूद चुनाव के नतीजों को लेकर बाजार के मन में गंभीर संशय है और जब मतदान का प्रतिशत गिरा तो उसने इस संशय को और गहरा किया कि एन.डी.ए. को आसान जीत मिलती नहीं लगती। इसमें भाजपा नेताओं द्वारा बीच चुनाव में मुद्दे बदलने का प्रयास, विपक्ष का ज्यादा मजबूत होकर उभरना, पहली बार कांग्रेस का घोषणापत्र आम लोगों में चर्चा का विषय बनाना और संविधान तथा आरक्षण को लेकर दलित समाज में डर समाने की खबर भी अपनी—अपनी भूमिका निभाते गए हैं। इस बाजार में देशी बचतकर्त्ताओं का हजारों करोड़ झोंककर गिरावट रोकने का प्रयास भी दक्षता को बढ़ाता है लेकिन नतीजे आने तक इस पर रोक लगाना किसी के लिए संभव नहीं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि बदलते राजनीतिक परिदृश्य और शेयर मार्केट के उथल—पुथल के बीच क्या समीकरण बनते हैं। वैसे खामोश मतदाता क्या करेंगे कुछ कह पाना मुश्किल है। चुनावी पंडित बेचैन है।

अर्थव्यवस्था में प्रवासी कामगारों का बढता योगदान

—ललित गर्ग—

इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) की 7 मई 2024 को जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत विदेशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों से सबसे ज्यादा धन पाने वाले देशों के रूप में सूचीबद्ध हुआ है। मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व फ्रांस जैसे देश भी इस सूची में भारत की तुलना में नीचले पायदानों पर है। भारत के लिये यह गौरव की बात है और इससे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने के भारत के प्रयासों को भी बल मिलेगा। नया भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण में विदेशों में रह रहे भारतीय कामगारों ने अपने खून—पसीने की कमाई से अर्जित ६ लनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं। यह आंकड़ा जहां विश्व में भारतीय श्रमशक्ति की गौरवपूर्ण गाथा को दर्शाता है, वहीं देश की अर्थव्यवस्था में उनके अमूल्य योगदान को दिखाता है। आईओएम की ताजा रिपोर्ट वैश्विक प्रवास पैटर्न में महत्त्वपूर्ण बदलावों का खुलासा करती है, जिसमें विस्थापित लोगों की रिकॉर्ड संख्या और अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण में बड़ी वृद्धि शामिल है। पूरे विश्व में अनुमानित 281 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों के साथ, संघर्ष, हिंसा, आपदा और अन्य कारणों से विस्थापित व्यक्तियों की संख्या आधुनिक रिकॉर्ड में उच्चतम स्तर तक बढ़ गई है, जो 117 मिलियन तक पहुँच गई है, जो विस्थापन संकट को संबोधित करने की तात्कालिकता को रेखांकित करती है।

भारत में अनुमानित 1.8 करोड़ लोग अंतरराष्ट्रीय प्रवासी के रूप में काम करने के लिए विदेश जाते हैं। भारतीय अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों, डॉक्टरों आदि जैसे पेशेवरों का अनुपात बढ़ गया है। इनके वेतन ज्यादा होता है और वे बड़ी मात्रा में पैसा भारत भेजते हैं। इनके अलावा भारतीय कामगार भी बड़ी संख्या में विदेशों में अपने श्रम से धन अर्जित करके न केवल अपने परिवारों का पालन—पोषण करते हैं बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। निश्चित रूप से यह उन कामगारों के भारत के प्रति आत्मीय लगाव एवं देशप्रेम को ही दर्शाता है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान करने वाले इन श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ है। निश्चित रूप से इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दुनिया में भारतीय श्रम—शक्ति एवं प्रतिभाएं अपनी क्षमता, कौशल एवं प्रतिभा से विपुल आर्थिक, सामाजिक एवं विकासमूलक योजनाओं की नयी संभावनाओं के द्वार खोलती है, जिससे दुनिया में भारत की ताकत को नये पंख लगते हैं।

भारतीय कामगारों, विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं एवं कौशल के लिए शीर्ष प्रवासन गलियारे संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब हैं जबकि राजनीतिक कारणों से भारत में प्रवेश करने वाले प्रवासियों की सबसे अधिक संख्या बांग्लादेश से आती है। प्रश्न है कि भारतीय कामगार एवं प्रतिभाएं जितनी बड़ी संख्या में विदेशों में जाकर अपनी क्षमताओं एवं प्रतिभा का लोहा मनवा रही है, विदेशी प्रतिभाएं उतनी संख्या में भारत नहीं आ रही है। वोट बैंक बढ़ाने के लिये बांग्लादेश आदि पडौसी देशों से गरीब एवं मुसलमानों का बड़ी संख्या में देश में आना, यहां के विकास को अवरोध करता है। इस तरह के लोगों के आने से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, वही उनका भारत के विकास में योगदान नगण्य है और उनका भारत से कोई मजबूत एवं आत्मीय रिश्ता भी कायम नहीं हो पाता है, यह एक समस्या के रूप में भारत के विकास को बाधित करता है।

दुनिया में भारतीय श्रम एवं कौशल की बड़ी मांग है। क्योंकि भारतीय मजबूर मेहनती, ईमानदार एवं कार्यनिष्ठ होते हैं। विकसित देशों में श्रमिकों की भारी कमी के बीच खेती, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम करने के वास्ते भारतीय कामगारों को विदेश भेजने के लिए विकसित देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करने का भारत सरकार का इरादा है। भारत सरकार उन देशों के साथ एग्रीमेंट करने जा रही है, जहां आबादी तेजी से घट रही है। वैसे हम पहले ही जापान और फ्रांस के साथ लेबर सप्लाई एग्रीमेंट कर चुके हैं। इजरायल के साथ भी एक करार है, जिसके तहत हजारों भारतीय वहां खेती और मजदूरी के लिए भेजे जा रहे हैं। यूनान ने भारत से संपर्क किया है कि वह कृषि क्षेत्र में काम करने वाले लगभग 10,000 कामगारों को उसके यहां भेजे।

विदेशों से धन भेजने के आंकड़े का बढ़ना दर्शाता है कि प्रवासियों का अपनी मातृभूमि के बीच कितना मजबूत, आत्मीय व स्थायी संबंध है। लेकिन इसके साथ ही भारत सरकार का दायित्व बनता है कि इस उपलब्धि की खुशी मनाते वक्त प्रवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों को भी पहचाना जाए और उनका समाधान किया जाये। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि प्रवासी कामगारों को वित्तीय शोषण, प्रवासन लागत के कारण बढ़ते ऋण दबाव, नस्लीय भेदभाव व कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिनके निराकरण के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। दुनिया की महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत अपने प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये संबंधित देशों से रणनीतिक तरीकों से रास्ता निकालना चाहिए। निस्संदेह, भारत सरकार को प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये हमारे दूतावासों के जरिये विशेष कदम उठाने चाहिए। दरअसल, खाड़ी सहयोग परिषद के राज्यों में जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी कार्यरत हैं, उनके अधिकारों का उल्लंघन जारी है। खासकर कोविड—19 महामारी के दौरान भारतीय कामगारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विशेष तौर पर अर्द्ध—कुशल श्रमिकों और अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के कई तरह के संकटों को बढ़ा दिया था। बड़ी संख्या में उनकी नौकरियां खत्म हुई, वेतन नहीं मिला। सामाजिक सुरक्षा के अभाव में कई लोगों को कर्ज में डूबना पड़ा। जिसके चलते बड़ी संख्या में ये कामगार स्वदेश लौटे।

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों की तरफ भारतीय छात्रों के बढ़ते रुझान की ओर भी आईओएम की अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट इशारा कर रही हैं। बहरहाल, प्रवासन के बदलते परिदृश्य में प्रवासी भारतीयों के अधिकारों व हितों की रक्षा के लिये ठोस प्रयासों की जरूरत है। किसी भी तरह श्रमिकों का शोषण न हो और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को संबोधित करने की जरूरत है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भारतीय कामगारों के लिये सुरक्षित व व्यवस्थित प्रवासन मार्ग संभव हो सके। यह समावेशी विकास की पहली शर्त भी है। हमारा नैतिक दायित्व बनता है कि विदेशों में कामगारों के हितों की रक्षा के साथ ही भारत में रह रहे उनके परिवारों का भी विशेष ख्याल रखा जाए। जिससे उनका देश के प्रति लगाव और गहरा हो सके।

सरकार कामगारों को विदेश भेजने की पहल में काफी सक्रिय दिख रही है। कम से कम दो जरूरी बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए। पहला, जिन कामगारों की बात की जा रही है वे ज्यादा पढ़े—लिखे या कुशल नहीं हैं, ऐसे में यह जरूरी है कि इन लोगों का चयन पारदर्शी तरीके से हो। अगर जरूरत पड़े तो इस प्रक्रिया में किसी तीसरे भरोसेमंद पक्ष को भी शामिल किया जाए। दूसरी बात, अलग—अलग देशों में जैसे—जैसे भारतीय मजदूरों की संख्या बढ़ेगी, भारत को अपनी राजनयिक मौजूदगी बढ़ाने पर विचार करना चाहिए ताकि वहां काम करने वाले भारतीयों की परेशानियों का जल्दी समाधान हो सके। सरकार की इस पहल का स्वागत कई कारणों से अवश्य किया जाना चाहिए। भारत में कुशल और मेहनती कामगारों की तादाद बहुत ज्यादा है। कई वर्षों से संगठित और अनौपचारिक तरीके से ये कामगार कई देशों में जाते रहे हैं और इसका अंदाजा विदेश से भारत भेजी जाने वाली राशि से मिलता है। भारत भी अपने व्यापारिक साझेदार देशों के साथ किए जाने वाले विभिन्न समझौतों में भी कामगारों की आवाजाही की वकालत करता रहा है।

लखनऊ में गढ बचाने की चुनौती

—अजय कुमार—

उत्तर प्रदेश की लखनऊ लोकसभा सीट देश की सबसे चर्चित सीटों में शामिल रही है। प्रभु श्रीराम के अनुज लक्ष्मण की नगरी लखनऊ ने अपने लम्बी जीवन यात्रा में कई उतार—चढ़ाव देखे हैं। यहां मुगलों ने भी शासन किया। इसी दौर में अवध की शाम की चर्चा ता समुंदर पार तक होने लगी, लेकिन इसमें खट्टी—मीठी दोनों तरह के यादें शामिल हैं। तहजीब के इस शहर के आबो—हवा और सुकून के चर्चे तो दुनियाभर में मशहूर हैं। इसी के लिए लोग यहां खिंचे चले आते हैं। लखनऊ शहर की खासियत के बारे में यहां के मशहूर शायर अजीज लखनवी ने लिखा है— 'वो आबो—हवा, वो सुकून, कहीं और नहीं मिलता। मिलते हैं बहुत शहर, मगर लखनऊ—सा नहीं नहीं मिलता'। यहां के वर्तमान सांसद देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं। भाजपा ने लगातार तीसरी बार राजनाथ सिंह को उम्मीदवार बनाया है। जबकि सपा ने इस बार रविदास मेहरोत्रा पर दांव लगाया है। वहीं बसपा ने अपने कोर वोटर के साथ अल्पसंख्यक मतदाताओं को रिझाने के लिए सरवर मलिक को चुनावी रण में उतारा है। इस बार यहां लड़ाई लगातार आठ बार से जीत हासिल कर रही भाजपा को अपना गढ़ बचाने की है और राजनाथ सिंह को अपने खुद की जीत की हैट्रिक लगाने की है।

लखनऊ के वोटर क्या तीसरी बार भी अपने सांसद और देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के लिये रक्षा कवच बनेंगे यह 04 जून को नतीजे आने पर पता चलेगा। वहीं विपक्षी खेमा राजनाथ सिंह की हैट्रिक नहीं पूरी होने देने की तमन्ना पाले हुए है और भाजपा के मजबूत किला को तोड़ने की तैयारी कर रहा है। अगर लोकसभा चुनाव 2019 की बात करें तो भाजपा के राजनाथ सिंह ने सपा बसपा के संयुक्त उम्मीदवार रहे अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा की पत्नी पूनम सिन्हा को 3,47,302 वोट से हराकर जीत हासिल की थी। इस चुनाव में राजनाथ सिंह को 6,33,026 और पूनम सिन्हा को 2,85,724 वोट मिले थे। जबकि कांग्रेस के आचार्य प्रमोद कृष्णम को 1,80,011 वोट मिले थे। वहीं लोकसभा चुनाव 2014 में मोदी लहर के दौरान इस सीट पर पहली बार राजनाथ सिंह उतरे और कांग्रेस के दिग्गज नेत्री रहे रीता बहुगुणा जोशी को 2,72,749 वोट से हराकर जीत हासिल की थी। इस चुनाव में राजनाथ सिंह को 5,61,106 और रीता बहुगुणा जोशी को 2,88,357 वोट मिले थे। जबकि बसपा के नकुल दुबे को 64,449 और सपा के अभिषेक मिश्रा को 56,771 वोट मिले थे। वहीं आम आदमी पार्टी के सैयद जावेद अहमद जाफरी को 41,429 वोट मिले थे। लखनऊ लोकसभा क्षेत्र के जातीय समीकरण की बात करें तो यहां सामान्य और मुस्लिम वर्ग के मतदाता हैं। जिसमें ब्राह्मणों की संख्या अधिक है। इसके बाद मुस्लिम आबादी है, जिसमें शिया की संख्या ज्यादा है। फिर वैश्य समाज के मतदाता आते हैं। यहां कायस्थ वोटरों की भी अच्छी खासी संख्या है। इस सीट पर दलित और ओबीसी मतदाताओं की संख्या सामान्य और मुस्लिम वर्ग की तुलना में बेहद कम है।

बात अतीत की कि जाये तो 1951—52 में जब देश के पहले लोकसभा चुनाव हुए, उस वक्त उत्तर प्रदेश में लखनऊ जिला—बाराबंकी जिला और लखनऊ जिला मध्य नाम से दो सीटें थीं। लखनऊ जिला मध्य सीट से कांग्रेस की विजय लक्ष्मी पंडित जीती थीं। इसरी के साथ 1951 से लेकर 1984 तक दो बार के अलावा यहां से कांग्रेस की ही जीत का परचम फहराया। 1967 में निर्दलीय आनंद नारायण मुल्ला तो इमरजेंसी के बाद 1977 के आम चुनाव में भारतीय लोकदल से हेमवती नंदन बहुगुणा चुनाव जीते। देश में पहली बार 1951 में हुए आम चुनाव में कांग्रेस की विजय लक्ष्मी जो देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की बहन थीं, ने चुनाव जीता था।

1957 में पुलिन बिहारी बनर्जी, 1962 में बीके धवन,1971 और 80 में शीला कौल ने बतौर कांग्रेस प्रत्याशी यहां से जीत हासिल की। इसके बाद 1989 में जनता दल से मांधाता सिंह फिर 1991 से 2004 तक पांच बार यहां से बीजेपी के अटल बिहारी वाजपेयी सांसद रहे, लेकिन दो चुनावों में अटल जी को हार का भी सामना करना पड़ा था। अटल जी के राजनीति से सन्यास लेने के बाद 2009 में बीजेपी लालजी टंडन यहां से सांसद बने। तत्पश्चात 2014 और 2019 में बीजेपी के राजनाथ सिंह यहां से सांसद चुने गये। तीसरी बार भी वह लखनऊ से किस्मत अजमा रहे हैं। वहीं, सपा ने रविदास मेहरोत्रा को अपना प्रत्याशी है। लोकसभा सीट के तहत पांच विधानसभाएं आती हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में लखनऊ लोकसभा में पड़ने वाली पांच में से तीन विधानसभा सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। वहीं, दो सीटों पर सपा के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी।

बहरहाल, अतीत के पन्नों मो पलटा जाये तो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी लगातार पांच बार यहां से सांसद रहे हैं। उसी दौरान यहां बीजेपी ने अपनी मजबूत पकड़ बना ली थी। उनके समय से ही इस सीट पर भाजपा का दबदबा हो गया, जो सिलसिला फिर रूका नहीं। यहां के वर्तमान सांसद देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं। भाजपा ने लगातार तीसरी बार राजनाथ सिंह को उम्मीदवार हैं। कुल मिलाकर प्रदेश में भले ही शासन करने वाले राजनैतिक दल बदलते रहे हों, पर लोकसभा चुनाव में राजधानी में कांग्रेस और भाजपा का वर्चस्व रहा है। इस वर्चस्व के बावजूद लखनऊ की संसदीय सीट पर वर्ष 1967 में निर्दलीय प्रत्याशी की जीत का डंका बजा। उस समय आनंद नारायण मुल्ला ने कांग्रेस के वीआर मोहन को आसानी से मात दी थी। आनंद नारायण मुल्ला कश्मीरी ब्राह्मण थे। उनके पिता जगत नारायण मुल्ला मशहूर सरकारी वकील थे। आनंद नारायण वकालत करने के साथ ही उर्दू के कवि भी थे। उनकी रचनाओं पर उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

वर्ष 1967 में जब लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई तो उन्होंने भी पर्चा दाखिल किया। देश में उस समय कांग्रेस की लहर चल रही थी। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर उनकी लोकप्रियता चरम पर थी। इसी के बूते वे चुनाव में खड़े हो गए। चुनाव में कांग्रेस से उनके मुकाबले वेद रत्न मोहन मैदान में उतरे। वेद रत्न मोहन लखनऊ के पूर्व मेयर रह चुके थे तथा साधन—संपन्नता में भी कोई कमी नहीं थी। भारतीय जनसंघ से चुनाव में आरसी शर्मा को टिकट मिला था। रिजल्ट की घोषणा हुई तो पहले स्थान पर आनंद नारायण मुल्ला रहे और उन्हें 92,535 वोट मिले। दूसरे नंबर पर वेद रत्न मोहन थे, और उनके खाते में 71,563 वोट आए। वहीं आरसी शर्मा को 60,291 वोट मिले और वे तीसरे नंबर पर रहे। इस चुनाव में एक अन्य निर्दलीय प्रत्याशी का नाम भी चर्चा में था। सिटी मांटेसरी स्कूल के संस्थापक जगदीश गांधी ने भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में उन्हें 9449 मत मिले। अलीगढ़ से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विधानसभा चुनाव जीत चुके जगदीश गांधी ने इससे पहले वर्ष 1962 का लोकसभा का चुनाव भी लड़ा था। हालांकि उस बार भी उनको हार झेलनी पड़ी। चुनाव में 14774 वोट के साथ वे तीसरे नंबर पर रहे।

खाद्य पदार्थों पर उठती उंगलियां

—देविन्दर शर्मा—

नेस्ले इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन द्वारा बेबी फूड फॉर्मूलेशन में चीनी की अधिक मात्रा के आरोपों को 'नस्लीय तौर पर रूढ़िबद्ध धारणा' और अस्पष्ट के रूप में नकारने को संदेहास्पद के तौर पर ही लिया जाना चाहिए। मीडिया में उनके हवाले से कहा गया कि पोषण पर्याप्तता अध्ययन करने के लिए कोई स्थानीय दृष्टिकोण नहीं है। विश्व स्तर पर उम्र के हिसाब से व्यंजन तैयार किए गए हैं जहां बढ़ते बच्चों को ऊर्जा सघन उत्पादों की आवश्यकता होती है। इसलिए यूरोपीय बच्चे और भारत या दुनिया के किसी अन्य हिस्से में एक बच्चे के बीच भेद नहीं किया जाता है।

नारायणन स्विटजरलैंड स्थित एनजीओ थर्ड आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क (आईबीएफएएन) की रिपोर्ट में कंपनी पर दोहरे मानदंड अपनाने संबंधी आरोपों के बारे में प्रकाशित समाचारों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। जिसके मुताबिक यूरोप में बेचे जाने वाले उत्पादों की तुलना में भारत व विकासशील देशों में बेचे जाने वाले शिशु—आहार अनाजों (सेरेलैक) में चीनी की उच्च मात्रा विद्यमान है।

'भारत में हमें आवश्यकता है, यही कारण है कि हमने इसे शामिल किया है, लेकिन उन स्तरों पर जो स्थानीय नियामक द्वारा निर्दिष्ट की तुलना में भी बहुत कम हैं और मुझे लगता है कि किसी को भरोसा रखना होगा कि स्थानीय नियामक जानता है कि क्या है जो हम वहां डाल रहे हैं। इसलिए ऐसा नहीं है कि मानकों में यह कोई नाटकीय बदलाव किया गया है।' वे कहते हैं कि 'मातृ आहार की कुछ आदतों, कच्चे माल की स्थानीय उपलब्धता व स्थानीय नियामक की जरूरतों जैसी अलग—अलग धारणाओं के आधार पर फॉर्मूलेशन को स्थानीय रूप से उत्पाद में ढाला जाता है।'

इस बयान के जरिये जो कुछ भी कहा गया है यदि वह सच है, तो कोई कारण नहीं दिखता कि उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को नियामक एजेंसी भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को नेस्ले के खिलाफ 'उचित कार्रवाई' का निर्देश देना चाहिए था। निर्देश के बाद, एफएसएसएआई ने नेस्ले बेबी फूड उत्पादों की संरचना से संबंधित विवाद की जांच पहले ही शुरू कर दी है। और मैं यहां यह भी जोड़ना चाहूंगा, आरोपों की जांच के लिए सख्त निर्देश के बावजूद यकीन नहीं है कि वादे के मुताबिक जांच अपने तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचेगी।

यदि एफएसएसएआई ने पहले तो अपने कडे मानक तय करने में सख्ती से काम किया होता, फिर इसके साथ ही कड़ाई से इनको लागू किया होता, तो कोई भी विशाल खाद्य कंपनी भारतीय बाजार को इतने हल्के रूप में न लेती। मैं यहां उस बयान को दोहरा रहा हूं— आरोपों के खंडन संबंधी नेस्ले का वह बयान स्वयं ही स्पष्ट तौर पर दोषों को उजागर करता है जब वह कहता है, 'भारत में हमें आवश्यकता है, यही कारण है कि हमने इसे मिलाया है, लेकिन उन स्तरों पर जो यहां तक घ्कि स्थानीय नियामक द्वारा निर्दिष्ट स्तर से भी बहुत कम हैं।' यदि आप इस कथन को देखें, तो यह सवाल तुरंत उठता है कि भारत में ऐसी आवश्यकता कहां है जिसने कंपनी को शिशु आहार में चीनी की ज्यादा मात्रा डालने के लिए प्रेरित किया? बेबी फूड कंपनियों को भारत में बेचे जाने वाले अपने उत्पादों में अधिक चीनी मिलाने के लिए आखिर कहा किसने है? मैंने भारत में पोषण संबंधी संस्थाओं का कोई अध्ययन या रिपोर्ट ऐसी नहीं देखी जो शिशु आहार में ऊर्जा प्रदाता के तौर पर ज्यादा मात्रा में चीनी मिलाने की जरूरत बताता हो। वहीं, नेस्ले का कहना है कि उसने प्रति 100 ग्राम फीड में केवल 7.1 ग्राम चीनी डाली है, और वह भी एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित 13.6 ग्राम की स्वीकार्य सीमा के मुकाबले बहुत कम, यह बयान मामले का एक और गंभीर पहलू उजागर करता है। इससे पता चलता है कि एफएसएसएआई के मानक कितने ढीले हैं, जिससे एक हाथी को भी गुजरने की इजाजत मिल जाती है। एफएसएसएआई को वह डेटा जारी करने के लिए कहा जाना चाहिए जिसके आधार पर उसने शिशु आहार में चीनी की स्वीकार्य सीमा निर्धारित की है। एफएसएसएआई को इससे बच निकलने नहीं दिया जा सकता है।

रोटी, कपड़ा और मकान उसके साथ बचाओ संविधान –अखिलेश

संवाददाता–बलरामपुर। केन्द्र व प्रदेश में बैठी भाजपा सरकार ने किसानों की खुशहाली छीन ली है। युवाओं को रोजगार नहीं मिलते और गरीबों से बाबा साहब का संविधान खत्म कर उनका अधिकार भी छीनने की कोशिश की जा रही है। भाजपा ने बोरी में चोरी की योजना को बढ़ावा दिया है। जैसे समुद्र मंथन हुआ था उसी तरह से संविधान को बचाने के लिए मंथन चल रहा है। यदि संविधान बदलता है तो लोकतंत्र खतरे में आ जाएगा। 400 पार का नारा देने वाले 140 सीटों से अधिक नहीं जीत पाएंगे। यह बातें सपा सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कही। वह पचपेड़वा ब्लाक के विशुनपुर टनटनवा बाजार में बुधवार को चुनावी जन सभा को संबोधित किया। अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने किसानों के साथ छल किया है। चौथे चरण तक भाजपा का ग्राफ नीचे आ गया है। उसके बाद से भाजपा नेताओं की बोली भाषा बदल गई है। भाजपा ने केवल उद्योग पतियों का कर्ज माफ किया है। अभी तक 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज उद्योगपतियों का माफ हुआ है। समाजवादी पार्टी किसानों के कर्ज माफी का दावा करती है। भाजपा केवल सपने दिखाने का काम करती है। नोटबंदी करके पूंजीपतियों को भाजपा ने लाभ पहुंचाया है। युवाओं को केन्द्र व प्रदेश की सरकार ने कोई रोजगार नहीं दिया। सभी नौकरियों के पर्चे लीक हो जाते और चयन निरस्त हो जाता है। दस से अधिक बड़ी परीक्षा के पर्चे लीक हुए हैं और युवाओं को रोजगार नहीं मिला है। समाजवादी पार्टी अपने सरकार में ऐसा नहीं होने देती थी। भाजपा युवाओं को रोजगार का सपना दिखाती है और उनका अधिकार छीन लेती है। गरीबों के राशन पर भी सरकार का अंकुश है। बोरी में पूरा अनाज नहीं निकलता। बोरी में चोरी का धंधा चल रहा है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बंदरगाह, जहाज व निजी कंपनियों को बेच लिया गया है। नोटबंदी करके गरीबों की कमर तोड़ी गई है। जीएसटी लागू कर व्यापारियों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। सपा की सरकार आई तो मोबाइल का डाटा फ्री दिया जाएगा। यह सरकार निजी कंपनियों के साथ मिलकर गरीबों को फ्री डाटा देने के नाम पर उनका शोषण कर रही है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा डा. भीमराव अंबेडकर के संविधान को बदलने के प्रयास में है। यदि भाजपा की सरकार बनी तो संविधान बच नहीं पाएगा। यदि संविधान बचा रहेगा तो लोकतंत्र अपने–आप सुरक्षित रहेगा। लोकतंत्र व संविधान को बचाने के लिए इंडिया गठबंधन की सरकार बननी जरूरी है। भाजपा ने बिजली का बिल महंगा कर दिया है। आम आदमी को पंखे की हवा नसीब नहीं हो रही है।

अखिलेश बोले कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। भाजपा को चौथे चरण के चुनाव तक यह पता चल गया है कि वह लड़ाई में कहीं दूर–दूर तक नहीं हैं। साम्प्रदायिक आधार पर भाजपा वोट मांग रही है। उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं है। अब खाकी वालों पर खतरा मंडरा रहा है। भाजपा की सरकार बन गई तो पुलिस कर्मियों के नौकरी की अवधि कम हो सकती है। अखिलेश ने गैसड़ी विधानसभा के प्रत्याशी राकेश यादव व श्रावस्ती लोकसभा प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा के पक्ष में लोगों से वोट डालने की अपील की। अखिलेश ने पूर्व मंत्री सपा नेता स्व. डा. एसपी यादव के सम्मान में वोट डालने का हवाला देकर राकेश को जिताने की बात कही।

10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर लाए गए, मोदी के नेतृत्व में विकसित बनेगा देश –अनुप्रिया पटेल

संवाददाता–श्रावस्ती। श्रावस्ती जिले के लक्ष्मनपुर बाजार में बुधवार को पिछड़ा वर्ग सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें मुख्य रूप से मौजूद अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से कमल के निशान को पार्टी का कप प्लेट निशान मान कर मतदान करने की अपील की। सम्मेलन में अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने कहा कि देश में जब से एनडीए की सरकार आई है तब से कोई भी गांव व घर ऐसा नहीं जहां केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थी न हों। हमारी सरकार ने गरीबों को पक्का घर, इज्जत घर, निरूशुल्क खाद्यान्न, रसोई गैस सिलेंडर, किसानों को सम्मान निधि सहित तमाम योजनाओं से लाभान्वित कर 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है। अगले पांच सालों में हमारा देश विश्व के तीन विकसित राष्ट्रों में शामिल होगा। इस दौरान उन्होंने भाजपा पार्टी प्रत्याशी साकेत मिश्र के समर्थन में पार्टी के निशान कमल को कप प्लेट मान कर भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। कार्यकर्ताओं को भाजपा प्रत्याशी साकेत मिश्र, प्रदेश महासचिव बौद्धिक मंच ओम प्रकाश पटेल, एमएलसी पदम सेन चौधरी, राष्ट्रीय सचिव रामनयन पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी, श्रावस्ती अपना दल जिलाध्यक्ष महेंद्र पटेल, बहराइच जिलाध्यक्ष गिरीश पटेल, जगदंबिका प्रसाद वर्मा, मंडल प्रभारी रामप्रघट पटेल, नंदराम गौतम व अवधेश श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर काफी संख्या में भाजपा व अपना दल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व आमजन मौजूद रहे।

भीम आर्मी कार्यकर्ता पर धारदार हथियार से हमला

संवाददाता–बहराइच। हुजूरपुर इलाके के भूपानी के उंचेपुरवा में मंगलवार रात निमंत्रण में जा रहे भीम आर्मी कार्यकर्ता पर गाड़ाबंदी किए आधा दर्जन धारदार हथियारों से हमलावरों ने जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसे मृत समझकर हमलावर फरार हो गए। घायल को चिरैया टांड़ सीएचसी ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सुरेश पासवान ने अपनी टीम के साथ जिला अस्पताल पहुंचकर घायल का हाल लिया। हुजूरपुर थाने के भूपानी गांव के खालेपुरवा निवासी 25 वर्षीय संदीप पासवान पुत्र पारस ई रिक्शा चलाकर परिवार की आजीविका चलाता है। वह भीम आर्मी का सक्रिय सदस्य है। मंगलवार रात वह टेपरा गांव से आए भोज के निमंत्रण में शामिल होने को जा रहे थे। गांव से लगभग 500 मीटर आगे उंचेपुरवा के पास गाड़ाबंदी किए हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ लाठी डंडे बरसाए। आरोप है कि हमलावरों ने बांका, भाला से भी जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसके बेहोश होते ही हमलावरों ने उसे मृत जानकर वारदात के बाद फरार हो गए। घायल को थाने ले जाने पर आरोप है कि एफआईआर दर्ज नहीं की। घायल को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

भीम आर्मी के सदस्य संदीप पासवान की मां रमकला देवी ने तीन दिन पूर्व एसपी से मुलाकात की थी। पीड़ित ने तहरीर दी थी कि एक माह पूर्व बेटे संदीप पासवान पर हुए जानलेवा हमले में दर्ज दलित उत्पीड़न के मामले जबरन सुलह लगाने को उसके पति पारस, बेटे संदीप व अन्य परिजनों को डराया धमकाया जा रहा है। आते– जाते रास्ते में गाड़ाबंदी की जा रही है। सुलह न करने पर जानमाल की धमकी मिल रही है। पीड़िता के अनुसार कोई कार्रवाई नहीं हुई है। भीम आर्मी सदस्य संदीप ने बताया कि एक माह पूर्व वह ई रिक्शा पर सवारी ढो रहा था। उसी दौरान मोबाइल से कॉल कर उसे सामान ढोने को बुलाया गया, उसने बताया कि वह सवारी ले जा रहा है। उसी रात गांव पहुंचने पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया था। पुलिस ने जद्दोजहद के बाद मारपीट व दलित उत्पीड़न मामले में केस तो दर्ज कर लिया पर कार्यवाई शून्य रही।

भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सुरेश पासवान ने बुधवार को जिला अस्पताल पहुंच कर हमले में पीड़ित संदीप पासवान का हाल चाल लिया। उन्होंने बताया कि पुलिस रिपोर्ट दर्ज न कर उसे शराब के नशे में गिर कर घायल होना बता रही है, जबकि उसके सिर में आठ दस टांके लगे हैं। पैर की हड्डी टूटी है। दो मई को हुई वारदात में दर्ज एफआईआर में सुलह को दवाब बनाया जा रहा है। हमले की एफआईआर दर्ज न होने पर एसपी कार्यालय व थाने का घेराव करने की चेतावनी दी है।

किसान नेता टिकैत को पुण्यतिथि पर किया नमन

संवाददाता–गोण्डा। भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक ने संगठन का दूसरा स्थापना दिवस मनाया गया। वही किसान नेता महेंद्र सिंह टिकैत साहब की पुण्यतिथि पर किसान मसीहा को भी याद किया गया। इस दौरान रवि नंदन सिंह,सुरेंद्र पाल,शेष नाथ ओझा, कन्हैया, नीरज, बड़का, संध्या सहित तमाम संगठन के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

आबकारी विभाग ने अब तक पकड़ी 4753 लीटर अवैध शराब

संवाददाता–बलरामपुर। लोकसभा चुनाव में अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए आबकारी विभाग शानदार प्रदर्शन पर डीएम ने साबाशी दी है। एजेंसियों की ओर से की गई कार्रवाई की डीएम अरविंद सिंह ने समीक्षा की। डीएम ने प्रभावी कार्रवाई न करने वाले विभागों का दायित्व निर्धारित करने की बात कही है।

आबकारी विभाग की टीम ने अब तक 1253 छापेमारी की है। अब तक 13 लाख रुपए की 4753 लीटर अवैध शराब बरामद की गई है। 159 मुकदमे पंजीकृत हुए हैं। साथ ही 12 लोगों को जेल भेजा गया है। बुधवार को डीएम अरविंद सिंह ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन करने के लिए आबकारी, पुलिस व अन्य प्रर्वतनीय विभागों की ओर से की गई कार्रवाइयों की समीक्षा की। जिसमें पाया कि आबाकरी विभाग, पुलिस व अन्य विभागों की ओर से अब तक की गई प्रवर्तन कार्रवाईयों में से 76 प्रतिशत कार्रवाई अकेले आबकारी विभाग की ओर से की गई है। जिसमें होटल एवं अन्य स्थानों पर छापेमारी कर मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।

जयंती पर क्रांतिकारी सुखदेव को याद किया

संवाददाता–बहराइच। सेनानी भवन सभागार में क्रांतिकारी सुखदेव की 109 वीं जयंती मनाई गई। सेनानी उत्तराधिकारियों ने उनके व्यक्तित्व एवं भारतीय स्वतंत्रता इतिहास में उनके योगदान पर चर्चा की। संगठन संरक्षक अनिल त्रिपाठी ने कहा कि उनका पूरा नाम सुखदेव थापर था। वह क्रांतिकारियों के इतिहास के नायक थे, उन्होंने लाला लाजपत राय पर हुए लाठीचार्ज के बाद उनकी मृत्यु का बदला लिया। इन्होंने भगत सिंह का मार्गदर्शन किया, वह पंजाबी खत्री परिवार के थे। बचपन में ही पिता की मृत्यु हो गई, भगत सिंह और राजगुरु उनके मित्र थे, उन्होंने नौजवान भारत सभा की शुरुआत की।

कांग्रेस भ्रष्टाचार और सपा गुंडों को जन्म देती है –ब्रजेश पाठक

संवाददाता–बलरामपुर। सिपा ने प्रदेश में गुंडे व माफियाओं को पैदा करने का काम किया था। बहन बेटियों की आबरू खतरे में थी। प्रदेश में आए दिन दंगे होते थे। आज भाजपा शासन काल में माफिया या तो प्रदेश छोड़ रहे हैं या फिर गले में तख्तियां लटकाकर थाने में सरेंडर कर रहे हैं। भाजपा ने कानून का राज स्थापित किया है। यह बातें उत्तर प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कही।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बुधवार को गैसड़ी विधानसभा के पिपरा चौराहे पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास सर्वाधिक लोकप्रिय नेता मोदी हैं। जिनका मुकाबला भ्रष्टाचारियों से है। कांग्रेस की सरकार में मंत्री रहे कई लोग सलाखों के पीछे हैं। कांग्रेस ने घोटाले पर घोटाला कर देश को लूटने का काम किया था। मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर किया है। हर गरीब को पक्का मकान दिया गया है। घर–घर शौचालय बनवाए गए हैं। सरकारी स्कूलों में कांवेंट की तरह सुविधाएं मिल रही हैं। जल जीवन मिशन के तहत घर–घर शुद्ध पेयजल पहुंचाया गया है। डिप्टी सीएम ने कहा कि पहले प्रदेश के जिलों की बिजली सैफई चली जाती थी। आज लोगों को भरपूर बिजली मिल रही है। सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने वन डिस्ट्रिक वन माफिया दिया था। भाजपा ने वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट देने का काम किया है। सपा सरकार में पैसे देकर नौकरी और तैनाती मिलती थी। नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होता था। आज उत्तर प्रदेश देश का नम्बर वन प्रदेश बन चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि गठबंधन पिछली बार की तरह इस बार भी फेल होगा। इंडी गठबंधन के लोग एक दूसरे पर हार का ठीकरा फोड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

इसके अलावा डिप्टी सीएम ने केन्द्र व प्रदेश सरकार के योजनाओं का बखान किया। उन्होंने लोकसभा श्रावस्ती से भाजपा प्रत्याशी साकेत मिश्र व गैसड़ी विधानसभा उप चुनाव के प्रत्याशी शैलेश कुमार सिंह शैलू को जिताने की अपील की। इस मौके पर लोकसभा संयोजक शंकर दयाल पाण्डेय, जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी, जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह, सदर विधायक पल्टूराम, जिला पंचायत अध्यक्षा आरती तिवारी, श्याम मनोहर तिवारी, रवि मिश्रा, डा. अजय सिंह पिंकू, राकेश सिंह, विनय प्रकाश त्रिपाठी, प्रिंस वर्मा, रवि वर्मा, अवधेश तिवारी सहित भारी संख्या में भाजपाई व सहयोगी दलों के लोग मौजूद थे।

कोर्ट के आदेश पर चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोण्डा। गलत साक्ष्यों के आधार पर केसीसी बनवाना चार लोगों पर भारी पड़ गया है। इनके खिलाफ मंगुरा शाखा प्रबंधक ने कोर्ट के आदेश पर थाने में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार अब तक दर्जनों मामले इस तरह के दर्ज किये जा चुके हैं। इनमें अधिकांश मामले न्यायालय में विचाराधीन है। हालिया प्रकरण में अर्जुन निवासी तुलसीपुर ने 70 हजार का ऋण 2 मार्च 2016 को, भगवान प्रसाद मिश्रा निवासी करनपुर ने दो लाख 64 हजार का ऋण 24 दिसंबर 2012 को, राकेश पांडे निवासी सुभागपुर ने तीन लाख 31 हजार का ऋण 29 जुलाई 2021 को तथा नान्हू निवासी सालपुर पाठक ने तीन लाख 25 हजार का ऋण 26 मई 2016 को मंजूर कराया था। इन चारों लोगों के अन्य बैंकों में भी कृषि ऋण के खाते चल रहे थे। थानाध्यक्ष संजीव कुमार वर्मा ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

जांच के बाद जल्द ही आरोपियों तलाश कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। केसीसी के नाम पर हो रहा खेलरू एसबीआई मंगुरा शाखा में केसीसी बनवाकर ऋण निकालने का खेल साल 2012 से शुरू हुआ। इस साल में चार लोगों ने पहले रुपये निकाले। इसके बाद साल 2016 में छह लोगों ने कर्ज लिया और साल 2018 में भी लोगों ने केसीसी से रुपये निकाले और फिर जमा नहीं किया। साल 2019 से 2021 में दो लोगों ने केसीसी बनवाया। इस तरह बारह सालों में दर्जनों लोगों ने किसान के रूप में केसीसी बनवाकर रुपये निकाले। बैंक को लगातार रुपये जमा न होने पर आंतरिक जांच शुरू हुई तो मामले का खुलासा हुआ। भारतीय स्टेट बैंक मंगुरा शाखा में जिन लोगों के मामले पकड़ में आए हैं। उन लोगों ने अन्य बैंकों में भी खाता खुलवा लिया था। इससे संदेह और बढ़ गया। बैंक ने खातों की जांच किया तो फर्जीवाड़ा सामने आया। अब किसान बनकर केसीसी बनवाने वाले ही खोजे नहीं मिल रहे हैं। बैंक के शाखा प्रबंधक अतुल दूबे ने बताया कि बैंक में केसीसी बनवाकर धनराशि निकाली गई है। इन लोगों ने अन्य बैंकों में भी केसीसी खाते खुलवाए हैं। सभी लोगों पर जांच करके विधिक प्रक्रिया अपनाकर एफआईआर दर्ज कराई जा रही है।

सड़क दुर्घटना में दो घायल, ट्रामा सेंटर रेफर

संवाददाता–श्रावस्ती। श्रावस्ती थाना क्षेत्र में हुई अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोग गंभीररूप से घायल हो गए। घायलों को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। लेकिन गंभीर हालत होने के कारण ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती क्षेत्र के ग्राम गोपालपुर निवासी लक्ष्मी नारायन 46 वर्ष पुत्र देवी प्रसाद मंगलवार रात में वीरपुर पेट्रोल पंप से बाइक में तेल डलवा कर घर आ रहे थे। दरबारी पुरवा के पास पहुंचते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। जिससे लक्ष्मी नारायन घायल हो गए। सूचना पाकर पहुंची एंबुलेंस के ईएमटी पवन कुमार मौर्य व चालक श्रीधर मिश्रा ने सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। इसी तरह से नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती कटरा बाजार निवासी सफीक अहमद 50 वर्ष पुत्र मोहम्मद इस्माइल अपनी बाइक से सुबह इकौना आ रहे थे। कटरा बाजार के दूबे तिराहा पर पीछे से आ रही मारुति कार ने ठोकर मार दिया। इससे बाइक सवार गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को एंबुलेंस से सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। लेकिन घायल बाइक सवार सफीक अहमद की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर ट्रामा सेंटर बहराइच के लिए रेफर कर दिया।

वोट डालने को निर्वाचन आयोग ने जारी किए 12 विकल्प

संवाददाता–बलरामपुर। जिन मतदाताओं के पास मतदाता पर्ची नहीं है वे अपना मत डाल सकेंगे। चुनाव आयोग ने मतदाताओं को वोट डालने के 12 विकल्प दिए हैं। डीएम अरविंद सिंह ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को मतदान करने के लिए पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, राज्य अथवा केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, पब्लिक कंपनियों की ओर से कर्मचारियों को जारी किए गए फोटो युक्त सेवा पहचान पत्र बैंक अथवा डाकघर से जारी पासबुक, पैनकार्ड, आधार कार्ड, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर, मनरेगा जॉब कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, फोटो युक्त पेंशन दस्तावेज व निर्वाचन तंत्र की ओर से जारी प्रमाणित फोटो मतदाता पर्ची में से कोई एक विकल्प होना जरूरी है।

श्री राम आश्रम में 84 कोसी परिक्रमार्थियों का हुआ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। सदगुरु कृपा मंडल के तत्वाधान में 84 कोसी परिक्रमा पूरी कर अयोध्याधाम लौटे परिक्रमार्थियों का बुधवार को प्रसिद्ध पीठ श्रीरामाश्रम रामकोट में भव्य स्वागत किया गया। जहां श्रीरामाश्रम पीठाधीश्वर महंत जयराम दास वेदांती महाराज ने परिक्रमा में शामिल सभी साधु–संतों एवं भक्तजनों का रामनामा ओढ़ाकर स्वागत–सम्मान किया। उसके बाद सभी परिक्रमार्थियों ने श्रीराम आश्रम में भंडारा प्रसाद पाया। इससे पहले चौरासीकोसी परिक्रमा में शामिल हजारों की संख्या में साधु–संतों और भक्तों के जत्थे ने पौराणिक रामकोट की परिक्रमा किया। रामकोट परिक्रमा पूरी कर परिक्रमार्थी बड़ी यज्ञवेदी स्थित सीताकुंड के लिए रवाना हो गए। जहां उनके द्वारा सीताकुंड की भी परिक्रमा किया गया। फिर सभी परिक्रमार्थी प्रतिष्ठित पीठ श्रीरामाश्रम रामकोट पहुंचे। वहां उन्होंने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। उसके बाद श्रीरामाश्रम पीठाधीश्वर महंत जयराम दास वेदांती महाराज द्वारा परिक्रमार्थियों का भेंट–विदाई किया गया। फिर 84 कोस परिक्रमा का समापन हुआ। श्रीरामाश्रम पीठाधीश्वर महंत जयराम दास वेदांती ने कहा कि 84 कोसी परिक्रमा में शामिल सभी साधु–संतों का आश्रम पर स्वागत हुआ। सभी संतों का भेंट–विदाई किया गया। चौरासी कोसी परिक्रमा बहुत ही पौराणिक परिक्रमा है। जो अनवरत चलती रहनी चाहिए। साल के बारहों महीना यह परिक्रमा हो। इससे हमारे सनातन धर्म का व्यापक प्रचार–प्रसार होगा। सनातन धर्म को मजबूती और लोगों को परिक्रमा करने की प्रेरणा मिलेगी। श्रीसदगुरू कृपा मंडल अयोध्याधाम 84 कोसी परिक्रमा के संचालक स्वामी गयाशरण ने कहा कि चौरासी कोस की परिक्रमा से भक्तों का जीवन धन्य हो जाता है। लाखों वर्ष की प्राचीन परंपराओं को जीवंत करने वाले भक्तों की समर्पण और भक्ति को सदा नमन है। उत्साह और उमंग से यह परिक्रमा हर वर्ष निकल रही है। अनंत काल से चली आ रही चौरासी कोसी परिक्रमा जीवन के कष्टों, व्याधियों से मुक्त करा प्रभु चरणों में समर्पित होने का माध्यम है। विगत 23 अप्रैल पूर्णिमा के दिन श्रीसद्गुरु कृपा मंडल के तत्वाधान में अयोध्या से मखौड़ा धाम के लिए 84 कोसी परिक्रमार्थियों का जत्था रवाना हुआ था। 24 अप्रैल को मखौड़ा धाम में पूजन–अर्चन के बाद परिक्रमा प्रारंभ हुई। जो विभिन्न पड़ावों से होते हुए 14 मई को सुबह मखभूमि और सायंकाल अयोध्याधाम पहुंची। बुधवार को सुबह 84 कोसी परिक्रमा में शामिल सभी साधु–संतों एवं भक्तजनों ने गाजे–बाजे, जय श्रीराम के गगनभेदी उद्घोष और सीताराम संकीर्तन संग रामकोट की परिक्रमा और उसके बाद सीताकुंड की परिक्रमा किया। फिर परिक्रमा का समापन हुआ। जानकी नवमी पर सीताकुंड में रामार्चा पूजन व संतों के भंडारे का कार्यक्रम होगा।

चुनावी खर्च का ब्योरा न देने पर चार प्रत्याशियों को मिली नोटिस

संवाददाता–बलरामपुर। लोकसभा चुनाव में खर्च का ब्योरा न देने वाले बसपा सहित चार प्रत्याशियों को डीएम ने नोटिस जारी किया है। इन प्रत्याशियों को तीन दिन के भीतर चुनावी लेखा जोखा प्रस्तुत करना होगा। अन्यथा प्रत्याशियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशियों को चुनावी खर्च का ब्योरा देना होगा। श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशियों को 14 मई को अपने निर्वाचन ब्यय का ब्योरा अभिकर्ता अथवा स्वयं के माध्यम से प्रस्तुत करना था। जिसमें से बसपा प्रत्याशी मोइनुद्दीन अहमद खां, सम्यक पार्टी के प्रत्याशी कृष्ण कुमार व केएमएस पार्टी के हनुमान प्रसाद मिश्र एवं निर्दलीय प्रत्याशी ने चुनावी खर्च का विवरण प्रस्तुत नहीं किया। जिस पर नाराजगी जताते हुए डीएम अरविंद सिंह ने चारों प्रत्याशियों के खिलाफ नोटिस जारी की है। जिसमें तीन दिनों के भीतर चुनावी लेखा–जोखा प्रस्तुत न करने पर सुसंगत धाराओं में कार्रवाई किए जाने की बात कही है। डीएम ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी प्रत्याशी नियमानुसार ही चुनावी खर्च करेंगे। सभी को खर्चे का विवरण रखना होगा एवं व्यय रजिस्टर बनाना होगा।

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में किसी तरह की न रहे कोई कमी –डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा मतदान के बाद ईवीएम व वीवीपैड जमा करने के लिए बनाए गए स्ट्रांगरूम का डीएम तथा एसपी ने निरीक्षण किया। डीएम ने स्ट्रांगरूम की सुरक्षा में कोई कोर कसर न रखने का निर्देश दिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी कृतिका शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने कलेक्ट्रेट में बनाये गये स्ट्रांगरूम का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने विधानसभा क्षेत्र 289–भिनगा एवं 290–श्रावस्ती के लिए बनाये गये स्ट्रांगरूम का बारीकी से निरीक्षण करके सुरक्षा कड़ी करने का निर्देश दिया। इस स्ट्रांगरूम में मतदान के बाद ईवीएम व वीवी पैट मशीनें रखी जायेंगी। इस दौरान स्ट्रांग रूम की सुरक्षा, सीसीटीवी, लाइट, साफ–सफाई अन्य व्यवस्थाओं के लिए पुख्ता इंतजाम करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया है। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, प्रभारी अधिकारी ईवीएम,उपजिलाधिकारी अरूण कुमार, सहायक प्रभारी अधिकारी ईवीएम,उप निदेशक कृषि कमल कटियार, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश आर्य सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

व्यय प्रेक्षक ने सी–विजिल देखा, बिना अनुमति पोस्टर–बैनर लगाने की शिकायतें अधिक

संवाददाता–महराजगंज। व्यय प्रेक्षक जितेन्द्र पटेल ने बुधवार को कलक्ट्रेट में सी–विजिल, कंट्रोल रूम, एमसीएमसी और व्यय लेखा कक्ष का निरीक्षण किया गया। उन्होंने सी–विजिल प्रभारी–एआर कॉपरेटिव सुनील गुप्ता से सी–विजिल पर शिकायत निस्तारण प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने पोर्टल पर एफएसटी गाड़ियों की लोकेशन को देखा। उन्होंने सर्वाधिक प्राप्त हो रही शिकायतों के प्रकृति की भी जानकारी ली। सी–विजिल प्रभारी ने बताया कि बिना अनुमति पोस्टर–बैनर लगाने की सर्वाधिक शिकायतें मिल रही हैं, जिनका निस्तारण एफएसटी टीमें मौके पर जाकर कर रही हैं।

प्रेक्षक ने नामांकन की अधिसूचना के बाद मिली शिकायतों की संख्या के बारे में पूछा। प्रभारी अधिकारी ने बताया कि इस दौरान कुल छह शिकायतें प्राप्त हुई हैं। सभी शिकायतो का निस्तारण निर्धारित समयसीमा में हुआ है। उन्होंने सर्वाधिक कार्यवाही वाले विधानसभा की जानकारी ली। सी–विजिल प्रभारी ने बताया की विधानसभा क्षेत्र फरेंदा में 32 और विधानसभा क्षेत्र महराजगंज में कुल 33 शिकायतें अब तक प्राप्त हुई हैं, जिनका निस्तारण समयसीमा के भीतर किया जा चुका है।

इसके बाद प्रेक्षक ने कंट्रोल रूम को देखा। उन्होंने कंट्रोल रूम में टेलीफोन के संख्या की जानकारी ली। प्रभारी अधिकारी और डिप्टी सीवीओ विनोद विश्वकर्मा ने बताया की कंट्रोल रूम में 4 लैंड लाइन नंबर और 4 मोबाइल नंबर सक्रिय हैं। अब तक कुल 57 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। सर्वाधिक शिकायतें एपिक कार्ड संबंधी प्राप्त हुई हैं। इनका निस्तारण संबंधित एआरओ से संपर्क कर निर्धारित समयसीमा के भीतर कराया गया है। उन्होंने मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति को देखा और प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया की निगरानी प्रक्रिया की जानकारी ली।

जिला सूचना अधिकारी ने बताया कि मॉनिटरिंग में लगे सहायकों द्वारा यू–ट्यूब चैनल, विभिन्न मीडिया वाट्स ग्रुप, प्रत्याशियों के सोशल अकाउंट आदि की निगरानी की जा रही है। इसके अतिरिक्त पेड न्यूज और विज्ञापन की निगरानी के लिए विभिन्न अखबारों को नियमित रूप से देखा जा रहा है। साथ ही विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का भी लगातार पर्यवेक्षण किया जा रहा है और पेड न्यूज व विज्ञापन की दैनिक रिपोर्ट व्यय लेखा टीम को प्रेषित की जा रही है।

अंत में प्रेक्षक ने व्यय लेखा टीम से वार्ता की। निर्देशित किया कि नामांकन के बाद प्राप्त होने वाले व्यय को प्रत्याशी के व्यय में जोड़ा जाए। सभी प्रत्याशियों के व्यय का विवरण निर्धारित प्रारूप में दर्ज करें। प्रेक्षक द्वारा छाया प्रेक्षण पंजिका का भी अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा, वरिष्ठ कोषाधिकारी राजकुमार गुप्ता, अपर उपजिलाधिकारी मदन मोहन वर्मा, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी नीरज कुमार अग्रवाल, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कन्हैया यादव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गरीब रथ में लगेंगे नए नवेले डिब्बे, यात्रा होगी शानदार, किराया वही रहेगा

संवाददाता—गोरखपुर। गरीब रथ के यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। अपनी उम्र पूरी कर चुकी गरीब रथ की बोगियां अब हटाई जाएंगी। इन बोगियों को हटाकर थर्ड एसी के इकोनॉमी कोच लगाए जाएंगे। सबसे अच्छी बात तो ये कि इसमें किसी प्रकार का कोई किराया नहीं बढ़ाया जाएगा।

इकोनॉमी कोच लग जाने से गरीब रथ की सूरत पूरी तरह से बदल जाएगी। एनई रेलवे में तीन गरीब रथ ओरिजिनेट होती है जबकि एक गोरखपुर से गुजरती है। सस्ते में ही गरीबों को एसी क्लास में सफर कराने के लिए तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने साल 2006 में गरीब रथ एक्सप्रेस की शुरुआत की थी। गरीब रथ में इस समय आईसीएफ कोच लगे हैं। स्टील से बने इन डिब्बों की उम्र करीब 20 साल होती है। गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत साल 2006 से हुई थी। अब इन डिब्बों को बदलने का वक्त आ गया है। इसलिए रेलवे ने सभी गरीब रथ की बोगियों को बदलकर इकोनॉमी कोच लगाने का निर्णय लिया है।

इस व्यवस्था के क्रम में पहले नार्दर्न की ट्रेनों की बोगियां बदली जाएंगी उसके बाद एनई रेलवे की। एनई रेलवे से दो ट्रेनें एक लखनऊ से रायपुर और दूसरी लखनऊ से भोपाल चल रही है। जबकि वाराणसी से आनंद विहार के लिए भी एक गरीब रथ है। वहीं सहरसा—अमृतसर वाया गोरखपुर भी एक गरीब रथ चल रही है। इस ट्रेन का किराया थर्ड एसी से करीब 400 रुपये तक कम होता है। ऐसे में इस ट्रेन की जबरदस्त डिमांड है। हां इसमें बेडरोल के लिए अतिरिक्त चार्ज देना होता है। वर्तमान में देश भर में 26 गरीब रथ ट्रेनें चल रही हैं।

युवती नगदी व जेवर लेकर हुई फरार

संवाददाता—गोरखपुर। गीडा थानांतर्गत एक गांव की रहने वाली युवती 50 हजार नकद और जेवरात लेकर प्रेमी संग फरार हो गई। युवती की मां की तहरीर पर प्रेमी, प्रेमी की मां और भाभी पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। गीडा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला का आरोप है कि उसकी 19 वर्षीय पुत्री को एक युवक दो मई को बहला—फुसला कर भगा ले गया। युवती घर में रखे जेवरात और 50 हजार रुपया नकद भी लेकर चली गई। युवती को भगाने में प्रेमी की भाभी भी शामिल है। शिकायत पर प्रेमी की मां जान से मारने की धमकी दे रही है। प्रभारी निरीक्षक गीडा योगेंद्र राय ने बताया कि महिला की तहरीर पर प्रेमी मंगेश, प्रेमी की भाभी सुधा और मां निर्मला पर केस दर्ज किया गया है।

नीट की तैयारी कर रही युवती के फोन पर आया ऐसा मैसेज, पढ़कर घरवालों के उड़ गए होश

संवाददाता—गोरखपुर। जिले में एक युवती को शोहदे ने रात दो बजे मोबाइल फोन पर अश्लील मैसेज भेजा। इसमें अश्लील बातें और धमकियां लिखीं थीं। युवती का कहना है कि नीट की तैयारी में व्यस्त होने के चलते उसने रात को मोबाइल पर मैसेज नहीं देखा। सुबह उसने मैसेज देखा तो घरवालों को इसकी जानकारी दी। मैसेज में लिखी अश्लील भाषा और धमकी पढ़कर युवती समेत उसके घरवालों के होश उड़ गए। दरअसल, गोरखपुर के गीडा थानाक्षेत्र निवासी युवती घर पर रहकर नीट की तैयारी कर रही है। युवती का कहना है कि उसकी बहन सहारनपुर में पॉलीटेक्निक की पढ़ाई कर रही है। युवती ने गीडा पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पांच मई को रात दो बजे एक शोहदे ने उसे अश्लील बातें और धमकियां लिखकर मोबाइल फोन पर मैसेज कर दिया। आरोपी ने उसकी बहन को भी यही मैसेज फॉरवर्ड किया। युवती का कहना है कि नीट की तैयारी में व्यस्त होने की वजह से उसने रात में फोन पर आए मैसेज पर ध्यान नहीं दिया। युवती ने पुलिस को दी तहरीर में लिखा है कि आरोपी पिछले पांच मई की रात में पहली बार संदेश भेजा था जो अश्लील था और धमकी भरी बातें भी लिखी गईं थी। इसके बाद ही सहारनपुर में रह रही बहन के पास भी इसी तरह का संदेश भेजा गया। रिप्लाई नहीं मिलने पर उसने युवती के घरवालों के फोन पर धमकी भरा मैसेज भेज दिया। गीडा पुलिस ने इस मामले में धमकी देने और आईटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है। युवती ने पुलिस को बताया कि रात में नीट की तैयारी करने की वजह से उस दिन ध्यान नहीं दिया और फिर अगले दिन बहन से पूछा तो उसने मैसेज भेजने वाले युवक के बारे में कोई भी जानकारी होने से इनकार कर दिया। युवती का आरोप है कि अब आरोपी घरवालों के नंबर पर फोन कर बदनाम करने की धमकी दे रहा है।

डीडीयू में परास्नातक अंतिम वर्ष के परिणाम आने शुरू

संवाददाता—गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में परास्नातक अंतिम वर्ष के परिणाम आने लगे हैं। डीडीयू प्रशासन ने बुधवार को पीजी चतुर्थ सेमेस्टर के चार विषयों का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। परीक्षाफल वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ कुलदीप सिंह ने बताया कि सत्र 2023—24 के एमएससी इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री चतुर्थ सेमेस्टर, एमजेएमसी चतुर्थ सेमेस्टर, एमएससी एक्वाकल्चर के चतुर्थ सेमेस्टर, एमएससी पर्यावरणीय विज्ञान के चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षाफल घोषित कर दिया गया है। परास्नातक की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य चल रहा है। जिन विषयों की कॉपियों का मूल्यांकन होने के साथ ही आंतरिक, प्रायोगिक व मौखिकी के अंक आते जाएंगे, परिणाम घोषित होता रहेगा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि 15 अप्रैल से परास्नातक की परीक्षाएं शुरू हुई थीं और अप्रैल के अंतिम हफ्ते में समाप्त हो गई थीं। कोशिश है कि मई में ही परास्नातक अंतिम सेमेस्टर के सभी परिणाम घोषित कर दिए जाएं।

ईश्वरीय चेतना का सरलीकरण ही अवतार

–श्री कृष्ण जन्म की कथा सुनकर भावविभोर हुए श्रद्धालु

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अवतार के तीन भेद किए गए हैं जन्म, समागम और प्राकट्य। शरीर का जन्म होता है, आत्मा और शरीर का समागम होता है, ईश्वर का केवल प्राकट्य होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने भक्तों का उद्धार व पृथ्वी को दैत्य शक्तियों से मुक्त कराने के लिए अवतार लिया था। जब—जब पृथ्वी पर धर्म की हानि होती है, तब—तब भगवान धरती पर अवतरित होते हैं। यह सद्विचार कथा व्यास आचार्य धनञ्जय जी महराज ने बहादुरपुर विकासखण्ड के कचूरे गाँव में बुधवार को श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन व्यक्त किया। कथा में एसडीएम अनामिका मौर्य, प्रभाकर ओझा आदि ने अयोध्या से पधारे आचार्य ऋतुराज और विवेक के सहयोग से पोथी पूजा व आरती का कार्य किया। महराज जी ने कहा कि भगवान हमेशा अपने भक्तों का ध्यान रखते हैं। उन्होंने कहा कि जब—जब धरती पर पाप, अनाचार बढ़ता है, तब—तब भगवान श्रीहरि धरा पर किसी न किसी रूप में अवतार लेकर भक्तों के संकट को हरते हैं। जब अत्याचारी कंस के पापों से धरती डोलने लगी, तो भगवान कृष्ण को अवतरित होना पड़ा। सात संतानों के बाद जब देवकी गर्भवती हुई, तो उसे अपनी इस संतान की मृत्यु का भय सता रहा था। भगवान की लीला वे स्वयं ही समझ सकते हैं। भगवान कृष्ण के जन्म लेते ही जेल के सभी बंधन टूट गए और भगवान श्रीकृष्ण गोकुल पहुंच गए। कथा के दौरान शास्त्री जी ने तमाम गीतों के माध्यम से श्रीकृष्ण जन्म का वर्णन किया और साथ ही निकाली गई झांकी ने दर्शकों का मन मोह लिया सभी श्रद्धालु झूम उठे। इस अवसर पर रामकुमार मौर्य, दिवाकर ओझा, सूर्य प्रकाश मौर्य, सुनील पाठक, राकेश चौधरी, विनय, अभिषेक सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गर्मी के मौसम में बच्चों को डायरिया से बचाने की जरूरत

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। गर्मी के मौसम में डायरिया के अधिक मामले सामने आते हैं। बच्चों में यह समस्या अधिक होती है। समय पर उपचार न मिलने पर जान भी जा सकती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव इब्राहिमपुर के चिकित्साधिकारी डॉ राहुल वर्मा बताते हैं कि गर्मी के मौसम में बच्चों खासकर शिशुओं में डायरिया के मामले बढ़ जाते हैं। ऐसे में उनका ध्यान रखने की विशेष आवश्यकता है। डॉ राहुल वर्मा का कहना है कि दस्त रोग या डायरिया बच्चों की मौत के प्रमुख कारणों में एक है। गर्मी में यह बीमारी अधिक होती है। इसके प्रमुख कारणों में दूषित पेयजल, स्वच्छता की कमी, शौचालय के अभाव हैं। डायरिया होने पर थकान, उल्टी, पेट में दर्द आदि समस्या भी हो सकती है। इसके कारण बच्चे कुपोषण का शिकार भी हो सकते हैं।

बगैर लाइसेंस के एसिड बेचने वालों की दें पुलिस को सूचना –सुश्री बुतूल

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। अपर जिला जज एवं प्राधिकरण सचिव भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता के निर्देशों के अनुपालन में महिला कारागार मरैला में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन हुआ। एसिड अटैक विषय पर आयोजित विधिक साक्षरता शिविर में महिला बन्दियों को जानकारी दी गई।

शिविर को सम्बोधित करती हुई सहायक लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल सुश्री बुतूल जेहरा ने कहा कि एसिड अटैक के खतरों से निपटने के लिए कानून में बदलाव कर दोषियों को सख्त सजा का प्राविधान किया गया है। एसिड अटैक को रोकने के लिए नए कानून में जस्टिस जेएस वर्मा कमिशन की सिफारिशों के मद्देनजर सरकार ने आईपीसी की धारा—326ए और 326बी अस्तित्व में आया। धारा—326ए के तहत प्रावधान किया गया है कि अगर कोई शख्स किसी दूसरे पर एसिड से हमला करता है और इस वजह से उस शख्स के शरीर का अंग खराब होता है। जलता है या धाव होता है तो ऐसे शख्स को दोष साबित होने पर कम से कम 10 वर्ष की कैद और ज्यादा से ज्यादा उम्र कैद तक की सजा दी जा सकती है। धारा—326 बी के अनुसार एसिड अटैक की कोशिश में भी कम से कम पांच वर्ष की और अधिक से अधिक सात वर्ष की सजा दी जा सकती है। उन्होंने बताया कि जब शरीर के किसी हिस्से पर एसिड गिरता है तो उस त्वचा के टीशू नष्ट हो जाते हैं जिन्हें पहले जैसा होने में लम्बा वक्त लगता है। इलाज की प्रक्रिया काफी धीमी, लम्बी एवं महंगी है जिसका खर्च वहन करना काफी मुश्किल है। यदि कोई दुकानदार बिना लाइसेंस के एसिड बेचता है तो हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हमें उसकी सूचना पुलिस अथवा संबन्धित विभाग को देनी चाहिए। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई को जारी निर्देशों के अनुसार एसिड अटैक पीड़िता को इलाज और पुनर्वास के लिए कुछ मुआवजा देने का भी प्रावधान दिया है। यह मुआबजा योजना नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी द्वारा रिलीफ पॉलीसी के तहत तय की गई है। शिविर में असिस्टेंट, लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल शरद पाण्डेय, डिप्टी जेलर सूर्यभान सरोज, छोटे लाल सरोज व अन्य मौजूद रहे।

जमीन पर गिरा आम उठाने पर हमला

संवाददाता—गोरखपुर। क्षेत्र के शुकुलपुरा में पेड़ से गिरे एक आम को उठाने पर धारदार हथियार से हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, बांसगांव थाना क्षेत्र के ग्राम शुकुलपुरा निवासी अरविंद पुत्र राम अशीष ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि वह 13 मई की सुबह 9 बजे रास्ते से जा रहा था।

कार ने स्कूल जा रही तीन छात्राओं को मारी ठोकर, घायल

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के खलीलाबाद—मेहदावल मार्ग पर हरदी प्राथमिक विद्यालय के पास बुधवार की सुबह अनियंत्रित कार ने स्कूल जा रही तीन छात्राओं को ठोकर मार दी। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हरदी की निवासी नव्या (14) पुत्री राघवेंद्र त्रिपाठी, अनन्या (14) पुत्री शिवेश मणि त्रिपाठी, साक्षी (13) पुत्री उमेश त्रिपाठी हरदी प्राथमिक विद्यालय की छात्राएं हैं। सुबह करीब आठ बजे खलीलाबाद—मेंहदावल मार्ग पर घर से पैदल पढ़ने जा रही हैं।

हरदी प्राथमिक विद्यालय के पास छात्राओं को बखिरा की तरफ से आ रही एक कार के चालक ने अनियंत्रित होकर ठोकर मार दिया। जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। जबकि कार सड़क के नीचे गड्ढे में चली गई। चालक मौके से फरार हो गया। परिजन इलाज के लिए तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मौके पर पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

नुक्कड़ नाटक कर मतदान के लिए किया जा रहा है जागरूक

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर जिले में एक जून को मतदान है, इसको लेकर तैयारियां भी युद्ध स्तर पर चल रही हैं। प्रशासन और पुलिस अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग भी कर रहे हैं। मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए स्वयं सेवी संस्थाएं भी लगातार सामाजिक क्रिया कलापों से जनता को जागरूक कर रही है। ज्वाइंट मैजिस्ट्रेट मृणाली जोशी ने आज हर झंडी दिखाकर नुक्कड़ नाटक मंडली को रवाना किया।

लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत—प्रतिशत मतदान हो सके इसके लिए गोरखपुर में एक जून को मतदाता अपने—अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर शत प्रतिशत मतदान करें। सदर तहसील अंतर्गत स्वीप के जरिए 80 स्थान पर नुक्कड़ नाटक की टीम मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य करेंगे। जिससे मतदाता जागरूक होकर बढ़—चढ़कर मतदान में हिस्सा ले सके। जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी कृष्ण करुणेश के निर्देश पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एसडीएम सदर मृणाली अविनाश जोशी के देखरेख में सदर तहसील अंतर्गत 80 स्थान पर नुक्कड़ नाटक करके मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य करेगे। नाटक मंडली आम जन मानस को लोकतंत्र में सहभागिता के लिए प्रेरित करेगे। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एसडीएम सदर मृणाली अविनाश जोशी ने कहा कि नुक्कड़ नाटक मंडली हमारे कर्मचारी अभिषेक पांडे के देखरेख में मुहल्ले मुहल्ले जाकर मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करेगे जिससे 1 जून को ज्यादा से ज्यादा मतदाता अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

संवाददाता—गोरखपुर। पिपराइच थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने एक युवक पर दुष्कर्म व धमकी देने का केस दर्ज किया है। जबकि, अन्य दो लोगों को अपराधिक साजिश में शामिल होने का आरोपी बनाया गया है।

युवती ने पुलिस को दी तहरीर में लिखा है कि गांव की उसकी सहेली के घर विक्रम का आना जाना था। मेरे जाने पर सहेली अक्सर युवक को भी बुला लेती थी। युवक ने शादी का झांसा देकर छह माह पूर्व संबंध बना लिया। गर्भवती होने पर शादी करने से मना कर दिया। घटना की जानकारी जब युवती के परिजनों को हुई तो सहेली व उसके परिवार वालों ने उन्हें जानमाल की धमकी देकर भगा दिया।

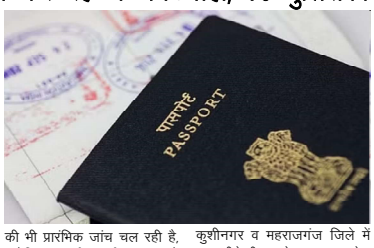

पुलिस ने युवती की तहरीर पर बुधवार को आरोपी विक्रम पता अज्ञात, युवती की सहेली व परिजनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।

पासपोर्ट सत्यापन में कर रहे थे धनउगाही, 70 पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

संवाददाता—गोरखपुर। पासपोर्ट सत्यापन में आवेदकों को परेशान न करने के पुलिस अधिकारियों के लाख निर्देशों के बाद भी पुलिसकर्मी बाज नहीं आ रहे हैं। धनउगाही को लेकर उनके सत्यापन बेवजह लटकाने वाले गोरखपुर रेंज के चारों जिलों में 70 पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। डीआईजी आनंद कुलकर्णी ने इस मामले की जब जांच कराई तब सारी सच्चाई सामने आई। गोरखपुर रेंज के चारों जिले में पासपोर्ट सत्यापन में धनउगाही और लापरवाही करने वाले 70 पुलिस वालों पर गाज गिर गई है। डीआईजी कार्यालय से लिए गए फीडबैक में सामने आया है कि गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज जिले में तैनात 70 पुलिस वालों ने पासपोर्ट सत्यापन में मनमानी की है। वहीं, इसके पूर्व में कुशीनगर के एक एडिशनल एसपी

की भी प्रारंभिक जांच चल रही है, क्योंकि तब वहीं प्रभारी हुआ करते थे। डीआईजी की कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मचा है।

जानकारी के मुताबिक, डीआइजी रेंज आनंद कुलकर्णी ने यह कार्रवाई पासपोर्ट का आवेदन करने वालों के फीडबैक के आधार पर की है। दरअसल, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर व महराजगंज जिले में हर महीने ही 12 से 15 हजार लोग पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन करते हैं। थाना स्तर पर होने वाले सत्यापन के दौरान आवेदक से किसी ने रुपये तो नहीं लिए या उसे परेशान किया इसका फीडबैक रोजाना डीआइजी कार्यालय से लिया जा रहा है। आवेदक से फोन पर बातचीत करने के बाद फीडबैक सेल डीआईजी को रोजाना रिपोर्ट देते हैं। पिछले चार महीने में रैंडम ही आवेदक से फोन पर हुई बातचीत में गोरखपुर रेंज के थानों पर तैनात 70 पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली खराब पाई गई, जिसमें कई लोग सत्यापन के लिए रुपये मांग रहे थे। वहीं कुछ पुलिसकर्मी आवेदक को बेवजह परेशान कर रहे थे।

समीक्षा के बाद डीआइजी ने जांच कराई आरोप की पुष्टि होने पर पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित करने के साथ ही सात को लाइन हाजिर किया गया। 21 को लघुदंड देने के बाद सत्यापन के लिए आवेदक के घर न जाने वाले 17 पुलिसकर्मियों को चेतावनी दी गई। आवेदक को परेशान करने वाले 20 पुलिसकर्मियों का पटल परिवर्तन कर दिया गया।

जेल में बंदियों पर हिपेटाइटिस का हमला बीमारों की तादाद से डॉक्टर भी दंग

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर के मंडलीय कारागार में निरुद्ध बंदियों पर हेपेटाइटिस का जोरदार हमला हुआ है। आरएमआरसी की जांच में 11 फीसदी से अधिक बंदियों में हेपेटाइटिस मिला है। इसमें सबसे ज्यादा मामले हेपेटाइटिस—सी के हैं। खास बात यह है कि हेपेटाइटिस पीड़ितों में सर्वाधिक संख्या युवाओं की है। शासन को जेल में हेपेटाइटिस के प्रसार की सूचना मिली थी। जेल में हेपेटाइटिस की जांच की जिम्मेदारी संभाले रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर (आरएमआरसी) की टीम ने बीते 24 और 25 अप्रैल को मंडलीय कारागार में 182 मरीज के खून के नमूनों की जांच की थी। कारागार में करीब 1800 बंदी हैं। उनमें से 10 फीसदी बंदियों को छांटा गया। उनकी उम्र 18 से 65 वर्ष की थी। आरएमआरसी ने यह पहल स्टेट हेल्थ एजेंसी के आग्रह पर किया। आरएमआरसी की जांच में कारागार में हेपेटाइटिस के कुल 21 मामले सामने आए हैं। जिसमें सबसे अधिक हेपेटाइटिस—सी के मामले हैं। रैपिड कार्ड से जांच में हेपेटाइटिस—सी के 8 मामले सामने आए। उनकी विस्तृत जांच आरटी—पीसीआर के जरिए हो रही है। कारागार में हेपेटाइटिस—बी के चार और हेपेटाइटिस—ई के नौ मामले सामने आए हैं। हेपेटाइटिस—बी लंबे समय बाद हेपेटाइटिस—डी में तब्दील होकर जानलेवा हो जाता है। संक्रमितों में 40 फीसदी की उम्र 28 वर्ष से कम है। टीम में डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. नलिनी मिश्रा, डॉ. आयुष मिश्रा, डॉ. रीतेश कुमार, कमलेश शाह, डॉ. रविशंकर सिंह, एमएस फातिमा शामिल रहीं।

आरएमआरसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. गौरव राज द्विवेदी ने बताया कि हेपेटाइटिस का प्रसार आबादी में अधिकतम 10 फीसदी पाया जाता है। जेल में निरुद्ध बंदियों में सीरिंज से नशा करने वाले शामिल हैं। जेल का दायरा सीमित होता है। बंदियों की संख्या अधिक है। यह प्रसार की एक वजह हो सकती है। इस मामले में हेपेटाइटिस के प्रसार के वजह की जांच की जाएगी। आरएमआरसी की रिपोर्ट जेल प्रशासन को मिल गई है। इसकी तस्दीक वरिष्ठ जेल अधीक्षक दिलीप पाण्डेय ने की। उन्होंने कहा कि जेल में निरुद्ध शारीरिक तौर पर कमजोर, बीमार, एचआईवी संक्रमितों को चिन्हित कर हेपेटाइटिस जांच कराई गई थी। इस वजह से हेपेटाइटिस संक्रमितों की संख्या बढ़ी है। बंदियों को दवाएं दी जा रही हैं। बैरकों की स्वच्छता पर ध्यान दिया जा रहा है। सीएमओ डॉ.आशुतोष कुमार दुबे ने कहा कि बंदियो में जांच का सैम्पल साइज छोटा है। इससे सही तस्वीर का आकलन नहीं हो पा रहा है। सभी बंदियों की हेपेटाइटिस जांच करानी होगी। जिससे जेल में हेपेटाइटिस के संक्रमण का पता चलेगा।

पत्नी लेकर चली गई कार, पति ने लगाया चोरी का आरोप

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखनाथ इलाके के रामनगर कॉलोनी में दरवाजे पर खड़ी कार लेकर पत्नी चली गई। पति को उसने मोबाइल पर संदेश भेजकर इसकी जानकारी दे दी। कार घर के सामने न देखकर पति ने डायल 112 पर कार चोरी होने की जानकारी दी और फिर गोरखनाथ थाने में तहरीर भी दी। पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया तो पति ने ऑनलाइन शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दरअसल, पति—पत्नी के बीच के रिश्ते इस वक्त ठीक नहीं हैं। रामनगर कॉलोनी निवासी सर्वेश्वर गुप्ता का पत्नी से विवाद चलता है। मामला बढ़ने पर पत्नी अलग रहने लगी। कुछ दिन बाद उसने न्यायालय में वाद दायर किया तो घर में रखने का आदेश जारी हुआ। आरोप है कि ससुराल के लोग घर में नहीं रहने देते और प्रताड़ित करते हैं।गोरखनाथ थाने पर कई बार इसको लेकर पंचायत हो चुकी है। 11 मई की शाम छह बजे सर्वेश्वर गुप्ता ने डायल 112 पर फोन करके बताया कि दरवाजे पर खड़ी उनकी कार चोरी हो गई है।गोरखनाथ पुलिस ने छानबीन की तो पता चला कि कार उनकी पत्नी ले गई है, जिसके पास दूसरी चाभी थी। पत्नी कार को अपना बताते हुए लेकर चली गई।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान दशम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 984/2014
समयदीन
बनाम
रामफेर

4/1 संगीता उम्र लगभग 35 वर्ष पत्नी सतीश 4/2 ममता उम्र लगभग 14 वर्ष 4/3 शीतल उम्र लगभग 13 वर्ष 4/4 दीप शिखा उम्र लगभग 10 वर्ष 4/5 मुस्कान उम्र लगभग 8 वर्ष पुत्रीगण स्व0 सतीश नावालिगान ववलायत श्रीमती संगीता माता स्वयं निवासीगण मौजा परसांगना तप्पा रतनपुरा परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 12—07—2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 12 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 15 माह 05 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 1226/2021
भगौती प्रसाद
बनाम
सालिकराम आदि

1. सालिकराम पुत्र रामदेव 2. रामशंकर पुत्र श्रीराम 3. रामदुलारे पुत्र मुक्तनाथ 4. दीनानाथ पुत्र रामलखन 5. राम उजागिर पुत्र रामसुख निवासी मौजा आराजी देवखर तप्पा वेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 25—07—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 526/2022
देव भाष्कर
बनाम
सूर्यमणि आदि

1. सूर्यमणि द्विवेदी 2. चन्द्रमणि द्विवेद 3. गोपालधर द्विवेदी 4. शंखधर द्विवेदी 5. श्रीधर द्विवेदी 6. वंशीधर द्विवेदी पुत्रगण देव प्रभाकर साकिनान गौसपुर हाल मुकाम कूढ़ापट्टी पृथी तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 09—07—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com